दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित >>> दिल्ली >>> गाजियाबाद >>> नोएडा >>> ग्रेटर नोएडा >>> हापुड़ >>> अमरोहा >>> बागपत >>> मेरठ >>> मुजफ्फर नगर >>> बिजनौर >>> मुरादाबाद >>> बुलंदशहर >>> अलीगढ़ >>> फरीदाबाद >>> गुड़गांव >>> सोनीपत
RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 31 डिग्री
न्युनतम तापमान 20 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 30 डिग्री
न्युनतम तापमान 19 डिग्री

मंगलवार 14 अक्टूबर 2025
सुर्योदय प्रात: 06 :21 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 53 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 मायावती के शक्ति प्रदर्शन से अखिलेश के उड़े होंश

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 360 | गाजियाबाद, मंगलवार 14 अक्टूबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा
व अन्य रसोई मसाले

‘बौद्ध भिक्षु 19वें कुशोक बकुला रिनपोछे’ सरकार से मरहम का इंतजार : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने कहा है कि जिस मंगोलिया के राष्ट्रपति उच्च शतरीय प्रतिनिधि मंडल के साथ राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में है वहां के लोगों में लद्दाख के बौद्ध भिक्षु 19वें कुशोक बकुला रिनपोछे अत्यंत लोकप्रिय हैं लेकिन उनका लद्दाख इन दिनों उद्वेलित है और सरकार से मरहम की प्रतीक्षा में है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जय राम रमेश मंगोलिया के राष्ट्रपति की भारत यात्रा का जिक्र करते हुए लद्दाख का मुद्दा उठाया और कहा कि केंद्र सरकार को लद्दाख के लोगों की मांग पर विचार कर उनकी समस्या का समाधान करना चाहिए। उन्होंने कहा, “मंगोलिया के राष्ट्रपति आज एक उच्च-शतरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ नई दिल्ली पहुंच चुके हैं।

भारत और मंगोलिया के बीच राजनयिक संबंध वर्ष दिसंबर 1955 में स्थापित हुए थे। भारत ने अक्टूबर 1961 में मंगोलिया को संयुक्त राष्ट्र में शामिल कराने में अहम भूमिका निभाई थी। इस रिश्ते में निर्णायक मोड़ तब आया जब प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अक्टूबर 1989 में लद्दाख के अत्यंत लोकप्रिय एवं सम्मानित बौद्ध भिक्षु 19वें कुशोक बकुला रिनपोछे को मंगोलिया में भारत का राजदूत नियुक्त किया। उन्होंने जनवरी 1990 में पदभार संभाला और असामान्य रूप से दस वर्षों तक वहाँ भारत के राजदूत रहे।‘

श्री रमेश ने कहा कि 1990 में साम्यवाद के पतन के बाद मंगोलिया को उसकी बौद्ध विरासत से दोबारा जोड़ने और उसे पुनर्जीवित करने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। मंगोलिया में आज भी उन्हें एक प्रतिष्ठित व्यक्तित्व के रूप में सम्मानपूर्वक स्मरण किया जाता है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा कुशोक बकुला रिनपोछे का सम्मान किया है और यही वजह है कि 20 जून 2005 को प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने लेह हवाई अड्डे का नाम बदलकर कुशोक बकुला रिनपोछे हवाई अड्डा रखा और उन्हें “आधुनिक लद्दाख के शिल्पकार” के रूप में सम्मानित किया। बौद्ध धर्म का पुनर्जागरण- न केवल मंगोलिया और पूर्व सोवियत संघ में, बल्कि भारत में भी -काफ़ी हद तक उनके प्रयासों का परिणाम है। कांग्रेस नेता ने कहा, “आज 19वें कुशोक बकुला रिनपोछे का लद्दाख देश से मरहम की प्रतीक्षा कर रहा है।

बिहार विस के दूसरे चरण के लिए अधिसूचना जारी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

चुनाव आयोग ने बिहार में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण की 122 सीटों तथा सात अन्य राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेश की आठ सीटों के लिए सोमवार को अधिसूचना जारी कर दी।

इसी के साथ पंजाब के तरनतारन, राजस्थान के अंता, ओडिशा के नुआपारा, झारखंड के घाटशिला, तेलंगाना के जुबली हिल्स, मिजोरम के डम्पा और केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर विधानसभा की नगरोटा व बडगांव की रिक्त सीटों के उपचुनावों के लिए भी अलग-अलग अधिसूचना जारी की गयी हैं। बिहार में विधानसभा की कुल 243 सीटों के लिए दो चरणों में छह और 11 नवंबर को चुनाव कराये जायेंगे। बिहार में दूसरे चरण के चुनाव के साथ ही पंजाब, राजस्थान, ओडिशा, झारखंड,तेलंगाना, मिजोरम तथा जम्मू- कश्मीर के विधानसभा के उपचनाव 11 नवंबर को कराये जाने हैं। इन सभी चुनााव की मतगणना 14 नवंबर को करायी जाएगी। अधिसूचनायें जारी होने के साथ ही बिहार की दूसरे चरण के चुनाव और अन्य राज्यों के उपचुनावों के लिए प्रत्याशियों के नामांकन की प्रक्रिया भी आज से शुरु हो जाएगी।

प्रसार भारती: ओटीटी पर एआई से पुनर्कल्पित महाभारत का प्रसारण

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत का कालातीत महाकाव्य महाभारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा पुनर्कल्पित संस्करण में प्रसार भारती के आधिकारिक ओटीटी मंच वेव्स और दूरदर्शन पर वापसी के लिए तैयार है। कलेक्टिव मीडिया नेटवर्क द्वारा निर्मित एआई-पुनर्कल्पित ‘महाभारत’ का डिजिटल प्रीमियर 25 अक्टूबर को होगा, जिसके बाद दो नवंबर से दूरदर्शन पर इसका प्रसारण किया जाएगा।

प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) गौरव द्विवेदी ने एक बयान में कहा, ‘‘इस एआई-आधारित पुनर्कल्पना में भागीदारी से दर्शकों को भारत के सबसे महान महाकाव्यों में से एक का नये सिरे से अनुभव करने का अवसर मिलेगा,

जिसमें परंपरा का सम्मान करते हुए कहानी कहने में अत्याधुनिक तकनीक को अपनाया गया है। यह आधुनिक प्रसारण में विकास और विरासत के एकसाथ आने की अभिव्यक्ति है।’’

वेव्स ओटीटी ने ‘एक्स’ पर पोस्ट किया, ‘‘सभी युद्धों का युद्ध/वेद व्यास द्वारा लिखित सर्वकालिक महानतम कहानी, जिसे एआई द्वारा पुनर्कल्पित किया गया है। यह केवल महाभारत नहीं है। यह महा एआई है।’’ उन्नत एआई उपकरणों का उपयोग करते हुए, यह शृंखला वृहद महाभारत, उसके पात्रों, युद्धक्षेत्रों, भावनाओं और नैतिक दुविधाओं को सिनेमाई पैमाने और अद्भुत यथार्थवाद के साथ पुनर्निर्मित करती है। कलेक्टिव आर्टिस्ट्स नेटवर्क के संस्थापक एवं समूह सीईओ विजय सुब्रमण्यम ने कहा, ‘‘लाखों भारतीयों की तरह, मैं भी हर रविवार को टेलीविजन पर महाभारत देखकर बड़ा हुआ हूं। यह एक ऐसा अनुभव था जिसने मेरी कल्पना और हमारी संस्कृति से मेरे जुड़ाव को आकार दिया। महाभारत के साथ, हमारी आशा आज की पीढ़ी को एक ऐसी कसौटी देने की है जो हमारे जितना ही गहन और एकीकृत महसूस कराता हो, लेकिन आज की तकनीक की संभावनाओं के माध्यम से बताया गया हो।’’ प्रसार भारती द्वारा ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म वेव्स की शुरुआत 20 नवंबर, 2024 को की गई थी।

NHRC ने गुजरात में दो श्रमिकों के मौत का स्वत: संज्ञान लिया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गुजरात अहमदाबाद में एक विज्ञापन होर्डिंग गिरने से दो श्रमिकों की मौत और एक अन्य के गंभीर रूप से घायल होने की घटना का स्वतः संज्ञान लिया है। एनएचआरसी ने सोमवार को बताया कि इस मामले में आयोग ने गुजरात सरकार के मुख्य सचिव और अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने कहा कि आयोग ने उस मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया है जिसमें कहा गया है कि अहमदाबाद के बोपल क्षेत्र में 27 सितंबर को एक सात मंजिला इमारत की छत से एक विज्ञापन होर्डिंग गिरने से दो श्रमिकों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। आयोग ने पाया है कि मीडिया रिपोर्ट की सामग्री यदि सत्य है तो मानवाधिकार उल्लंघन का यह एक गंभीर मामला है इसलिए मुख्य सचिव और अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने कहा कि 29 सितंबर को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट के अनुसार लगभग 15 मज़दूर एक आवासीय इमारत पर लगभग 80 फीट ऊपर एक होर्डिंग लगा रहे थे तभी वह गिर गई। नीचे गिरे 10 मज़दूरों में से दो की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया और सात अन्य को मामूली चोटें आईं।

IRCTC मामला : लालू, राबड़ी, तेजस्वी सहित अन्य पर आरोप तय

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रीय राजधानी की एक स्थानीय अदालत ने सोमवार को कथित भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी) घोटाला मामले में पूर्व रेल मंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और कई अन्य के खिलाफ कई आपराधिक आरोप तय कर दिए। राउज़ एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश (पीए एक्ट) विशाल गोगने ने आज मामले की सुनवाई की। इसमें बिहार के पूर्व रेल मंत्री पर भ्रष्टाचार, आपराधिक षड्यंत्र और धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए हैं। उनकी पत्नी राबड़ी देवी और पुत्र तेजस्वी यादव पर भी षड्यंत्र और धोखाधड़ी सहित कई आरोप तय हुये हैं। सभी आरोपियों ने अदालत से कहा कि वे इस मामले में निर्दोष हैं। इसके बाद से मामले का अदालत में चलने का राश्ता खुल गया। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का आरोप है कि 2004 से 2009 तक रेल मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल में श्री यादव और उनके परिजनों ने एक निजी फर्म को अनुचित लाभ पहुंचाया। आरोपियों में आईआरसीटीसी के पूर्व अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं।

आईटी कंपनियों के दबाव में लुढ़का शेयर बाजार

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷। आईटी और एफएमसीजी कंपनियों के दबाव में सोमवार को घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स सप्ताह के पहले ही दिन 173.77 अंक (0.21 प्रतिशत) उतरकर 82,327.05 अंक पर बंद हुआ। पिछले दो कारोबारी दिवसों पर हरे निशान में बंद होने वाला सूचकांक आज 450 अंक से ज्यादा की गिरावट में खुला था, लेकिन बाद में कुछ हद तक उबरने में कामयाब रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 58 अंक यानी 0.23 फीसदी की गिरावट में 25,227.35 अंक पर बंद हुआ। एनएसई में जिन 3,202 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, उनमें से 1,118 के शेयर हरे निशान में, 1,974 के लाल निशान में बंद हुए जबकि 109 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। आईटी, एफएमसीजी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, धातु और तेल एवं गैस समूहों में बिकवाली का जोर ज्यादा रहा। वहीं, बैंकिंग एवं वित्तीय सेक्टरों के शेयरों में लिवाली अधिक हुई।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए ने सीट शेयरिंग का ऐलान किया

● भाजपा-101, जेडी- 101 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी

मांझी-कुशवाहा 6-6 सीट से नाराज

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए ने रविवार को सीट शेयरिंग की घोषणा कर दी है। बीजेपी 101 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं जदयू 101 सीटों पर लड़ने जा रही है। जबकि चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी (आर) 29 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। जीतन राम मांझी की हिंदुस्तान अवाम मोर्चा (हम) को 6 और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी आरएलएम को 6 सीटें दी गई हैं।

अब बिहार एनडीए में जेडीयू बड़े भाई की भूमिका में नहीं रहेगी। जेडीयू और भाजपा दोनों बराबर खड़ी हो गई है। सीट शेयरिंग में चिराग की जिद मान ली गई। जबकि 40 सीटों की डिमांड करने वाले जीतन राम मांझी को 6 सीटें मिली हैं।

इधर, दिल्ली से पटना लौटे बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा, एनडीए गठबंधन ने सीटों के बंटवारे की घोषणा कर दी है। मैं शुरू से कहता रहा हूं कि हम पांच पांडव, बिहार विधानसभा चुनाव पूरी एकजुटता के साथ लड़ेंगे। हमने सबसे पहले सीटों के बंटवारे की घोषणा कर दी है और आज शाम से उम्मीदवारों की घोषणा करेंगे। उन्होंने आगे कहा, जीतन राम मांझी ने कहा है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हम एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे।

लोकसभा चुनाव बना एनडीए की सीट शेयरिंग का आधार- एनडीए के फॉर्मूले में लोकसभा में सीटों के बंटवारे को आधार बनाया गया है। लोकसभा चुनाव में भाजपा 17 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। जिसमें 104 विधानसभा सीटें आती हैं। आरा और बेगूसराय लोकसभा में 7-7 और बाकी में 6-6 सीटें हैं। जबकि जदयू लोकसभा में 16 सीटें लड़ी थी। इस आधार पर 97 सीटें होती हैं। इनमें नालंदा में 7 और बाकी लोकसभा में 6-6 विधानसभा सीटें हैं। अब सीट शेयरिंग की बात करें तो बीजेपी ने लोकसभा के अनुसार 3 सीटें कम ली हैं, जबकि जदयू को 4 सीटें ज्यादा दी गई है। यानी एनडीए ने बीच का रास्ता निकाला और दोनों पार्टी 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ने पर सहमत हुई। अब न कोई बड़ा भाई और न कोई छोटा भाई है।

जनसुराज की दूसरी लिस्ट में 65 कैंडिडेट्स

पटना (एजेंसी)। बिहार चुनाव के लिए प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज ने सोमवार को अपनी दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। पार्टी की दूसरी लिस्ट में 65 कैंडिडेट्स के नाम हैं।

आज जारी सूची में 20 रिजर्व सीट है, जबकि 46 जनरल हैं।

लिस्ट में एससी -19, एसटी -1 और 14 मुस्लिम कैंडिडेट्स को उतारा गया है। 45 सामान्य सीटों में 34 मुस्लिम, ईबीसी और ओबीसी को उतारा गया है। इनमें सवर्णों को 11 सीटें दी गई हैं।

इनमें सबसे बड़ा नाम अभयकांत झा का है, जिसे पार्टी ने टिकट दिया है। 74 साल के अभयकांत झा ने भागलपुर दंगे में मुस्लिमों के पक्ष में केस लड़ा था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रशांत किशोर ने उनका परिचय कराते हुए पार्टी में उनका स्वागत किया। प्रशांत किशोर ने कहा कि समाज के हर वर्ग से अच्छे लोगों को चुनकर ही पार्टी 243 कैंडिडेट की लिस्ट तैयार कर रही है।

बंगाल मेडिकल स्टूडेंट गैंगरेप केस- सभी 5 आरोपी गिरफ्तार

● ममता के बयान पर पीड़ित के पिता बोले- मेरी बेटी आधी रात बाहर नहीं गई थी

कोलकाता/दुर्गापुर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर में एमबीबीएस स्टूडेंट से गैंगरेप केस में पुलिस ने सोमवार को दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया। अब तक कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने रविवार को 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। 2 आरोपी फरार थे।

वहीं, पीड़ित के पिता ने घटना पर सीएम ममता के बयान को असंवेदनशील बताते हुए दावा किया कि उनकी बेटी आधी रात को बाहर नहीं गई थी। पीड़ित के पिता ने कहा- मेरी बेटी का शुक्रवार (10 अक्टूबर) रात 8 बजे से 9 बजे के बीच रेप हुआ था।

इजरायल की संसद से डोनाल्ड ट्रंप का ऐलान, सभी इजरायली बंधक रिहा

गाजा में आतंक का अंत, हमास को हथियार विहिन करेंगे

वाशिंगटन (एजेंसी)। गाजा में दो साल तक चली लड़ाई के बाद आज सोमवार से इजरायली बंधकों की रिहाई शुरू हो गई है। 20 बंधकों के पहले बैच को रिहा भी कर दिया गया है। गाजा से 48 बंधकों की रिहाई की उम्मीद में सैकड़ों लोग सुबह से ही तेल अवीव के बंधक चौक पर जमा हो गए।

नए मध्य पूर्व का ऐतिहासिक उदय - अमेरिकी राष्ट्रपति ने नेसेट को संबोधित करते हुए कहा- यह केवल एक युद्ध का अंत नहीं है। यह आतंक और मृत्यु के युग का अंत है और विश्वास, आशा और ईश्वर के युग की शुरुआत है।

ट्रंप ने माना, ‘इजरायली पीएम नेतन्याहू से निपटना आसान नहीं’- इजरायली सांसद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को सख्त प्रधानमंत्री करार दिया।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ में पुलिस की संयुक्त टीम ने 8 माओवादियों को किया गिरफ्तार

बीजापुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। थाना बासागुड़ा क्षेत्र में डीआरजी, थाना बासागुड़ा और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल 168वीं वाहिनी की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए 3 लाख रुपए के इनामी तीन माओवादियों समेत कुल 8 सक्रिय माओवादियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए माओवादियों के कब्जे से टिफिन बम, डेटोनेटर सहित भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और प्रतिबंधित माओवादी संगठन के प्रचार-प्रसार की सामग्री भी बरामद की गई है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड), थाना बासागुड़ा और केरिपु 168वीं वाहिनी की संयुक्त टीम बासागुड़ा थाना क्षेत्र के पुतकेल से पोलमपल्ली जाने वाले रास्ते पर गश्त पर थी। इसी दौरान पोलमपल्ली के पास सुरक्षा बलों ने 8 सक्रिय माओवादियों को विस्फोटक और माओवादी संगठन की प्रचार सामग्री के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए माओवादियों में से 3 पर पुलिस ने इनाम घोषित कर रखा था। इनमें नेण्ड्रा आरपीसी (रिजनल पीपल कमेटी) सीएनएम (क्रांतिकारी जन कमेटी) अध्यक्ष कोसा सोड़ी, कमलापुर आरपीसी सीएनएम सदस्य जय सिंह माड़वी और कमलापुर आरपीसी सीएनएम सदस्य मड़कम अंदा शामिल हैं। सुरक्षा बलों ने पकड़े गए माओवादियों के कब्जे से एक टिफिन बम, डेटोनेटर, सेफ्टी फ्यूज, कार्डेक्स वायर, बैटरी, बिजली का तार, जमीन खोदने का औजार और शासन विरोधी नारों वाले पाम्पलेट एवं बैनर बरामद किए हैं। यह सामग्री क्षेत्र में बड़ी नक्सली गतिविधि को अंजाम देने की योजना का संकेत देती है, जिसे सुरक्षा बलों ने नाकाम कर दिया है। गिरफ्तार अन्य माओवादियों की पहचान कमलापुर आरपीसी मिलिशिया सदस्य सोड़ी हिड़मा, कमलापुर आरपीसी भूमकाल मिलिशिया सदस्य मुचाकी बुधरा उर्फ भद्रा, कमलापुर आरपीसी मिलिशिया सदस्य माड़वी राजू, कमलापुर आरपीसी मिलिशिया सदस्य माड़वी हिड़मा और कमलापुर आरपीसी आर्थिक शाखा सदस्य देवा माड़वी के रूप में हुई है। ये सभी बासागुड़ा थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवों के निवासी हैं और माओवादी संगठन में सक्रिय थे।

छोटी मछलियां पकड़ने पर होगी कार्रवाई, हर एक फिश की तय कर दी गई साइज

मुंबई, एजेंसी। छोटी मछलियों को पकड़ने और उनके प्रजनन पर असर को कम करने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने कदम उठाए हैं। केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान की मदद से मछली पकड़ने या बाजार में बिक्री के लिए न्यूनतम आकार तय कर दिया गया है, जो राज्य के वार्षिक मछली उत्पादन को प्रभावित करता है। न्यूनतम आकार से छोटी मछली पकड़ने पर मत्स्य विभाग कार्रवाई कर सकता है। नियमों के हिसाब से सिल्वर पॉम्फ्रेट और बांगड़ा मछली का आकार 14 सेमी होना चाहिए। इसी तरह, झींगा का आकार 9 सेमी, बॉम्बे डक का 18 सेमी और सुरमई का 37 सेमी होना चाहिए। इस तरह केरल के बाद महाराष्ट्र दूसरा राज्य है, जिसने मछली के आकार के मानदंड लागू किए हैं। सूत्रों ने बताया कि मॉनसून के दौरान छोटी मछलियों पर सख्त प्रतिबंध के कारण कुल उत्पादन में वृद्धि हुई, जिसने प्रशासन को यह फैसला लेने के लिए प्रेरित किया। सीनियर मत्स्य अधिकारी ने कहा, इसका कारण यह है कि मछलियों को बढ़ने और प्रजनन के लिए पर्याप्त समय मिला, जिससे उनकी संख्या में वृद्धि हुई। मछली स्टॉक में भी सुधार हुआ है। सूत्रों ने बताया कि इस साल प्री-मॉनसून अवधि में राज्य को 995 टन पॉम्फ्रेट स्टॉक प्राप्त हुआ था। हालांकि, मछली पकड़ने पर 5 महीने के पूर्ण नियंत्रण के बाद स्टॉक चार गुना से अधिक बढ़ गया है। साथ ही, औसत आकार निर्धारित मानदंड से कहीं अधिक है। पहले मार्च से मई के बीच 11 करोड़ रुपये का कारोबार था, जो अब 350 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है और अभी भी बढ़ रहा है। महाराष्ट्र के मत्स्य और बंदरगाह मंत्री नितेश राणे ने मछलियों के न्यूनतम आकार और सिल्वर पॉम्फ्रेट की किशोर मछली पकड़ने पर रोक लगाने के लिए समीक्षा बैठक की थी।

बीजेपी और पीडीपी के गठबंधन कारण गया आर्टिकल 370: उमर अब्दुल्ला

जम्मू, एजेंसी।
अनुच्छेद 370 और 35ए को लेकर जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के सलाहकार ने बड़ा दावा कर दिया है। उन्होंने पीडीपी यानी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी का नाम लिया और कहा कि भारतीय जनता पार्टी के साथ उनका गठबंधन इसकी वजह हो सकती है। हालांकि, उन्होंने इसपर विस्तार से जानकारी नहीं दी। साल 2019 में भारत सरकार ने आर्टिकल 370 खत्म कर दिया था।

समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में नासिर असलम वानी ने कहा कि पीडीपी का पहले भाजपा के साथ गठबंधन करना इस क्षेत्र से अनुच्छेद 370 और 35ए होने की वजह है। उन्होंने सरकार का रिपोर्ट कार्ड मांगने को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा है। साथ ही कहा है कि सिर्फ आलोचना करने से राज्य का दर्जा बहाल नहीं हो जाएगा और एक मुख्यमंत्री के पास केंद्र शासित क्षेत्र की सरकार से ज्यादा ताकत होती है।

उन्होंने कहा, राज्य सरकार के मुख्यमंत्री के पास केंद्र शासित प्रदेश सरकार से ज्यादा ताकत होती है। इसके अलावा उमर अब्दुल्ला अपनी तरफ से जम्मू और कश्मीर के विकास के लिए सबकुछ कर रहे हैं...। भाजपा के साथ पीडीपी का पहले हुआ गठबंधन ही शायद 370 और 35ए गंवाने की वज है...। विपक्ष सिर्फ एक साल में रिपोर्ट कार्ड मांग रहा है, उन्हें धैर्य रखना चाहिए। उन्होंने विपक्ष

के तौर पर अच्छी भूमिका निभानी चाहिए...। हमारी आलोचना करने से राज्य का दर्जा वापस नहीं मिलेगा।

उन्होंने कहा, ...जहां तक राज्यसभा की सीटों की बात है, तो पार्टी ने कांग्रेस को एक सीट लेने के लिए कहा है...। वो निश्चित ही उम्मीदवार का नाम तय करने के लिए चर्चा कर रहे होंगे...। 4 सीटें गठबंधन के लिए रिजर्व हैं...। नेशनल कॉन्फ्रेंस का हमेशा विपक्ष ने विरोध किया है और इसमें कुछ भी नया नहीं है...। एनसी ने 10 अक्तूबर को राज्यसभा चुनाव के लिए 3 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है।

पार्टी ने चौधरी मोहम्मद रमजान, सज्जाद अहमद किचलू और शम्मी ओबेरॉय को मैदान में उतारा है। कहा जा रहा है कि चौथी सीट को लेकर फैसला जल्द हो सकता है।

कांग्रेस ने किया लड़ने से इनकार: जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तारिक हामिद कर्रा ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी केंद्र शासित प्रदेश में चार सीट के लिए 24 अक्टूबर को होने वाले राज्यसभा चुनाव में हिस्सा नहीं लेगी, क्योंकि गठबंधन सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने उन्हें सुरक्षित सीट देने से इनकार कर दिया है। पार्टी नेताओं की यहां मैराथन बैठक के बाद मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कर्रा ने कहा कि सर्वसम्मति से यह सहमति बनी है कि कांग्रेस राज्यसभा चुनाव नहीं लड़ेगी।

कर्रा ने कहा कि कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने राज्यसभा की दो सीट में से एक की मांग की थी, जिन पर अलग-अलग चुनाव होने जा रहे हैं, लेकिन नेशनल कॉन्फ्रेंस ने पार्टी को उन दो सीटों में से एक की पेशकश की, जिन पर एक ही अधिसूचना के तहत चुनाव होने जा रहे हैं।

कर्रा ने कहा, इसे ध्यान में रखते हुए, बैठक में उपस्थित सभी प्रतिभागियों की राय थी कि सीट चार, सीट एक या दो की तरह सुरक्षित नहीं है। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि हम चौथी सीट पर अपना उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। हम यह निर्णय अपने गठबंधन सहयोगियों पर छोड़ेंगे कि वे इस बारे में क्या सोचते हैं। उन्होंने कहा, चूंकि हमें सुरक्षित सीट की पेशकश नहीं की गई, इसलिए हम चौथी सीट पर चुनाव नहीं लड़ना चाहते।

हमदर्द हनी : क्वालिटी और भरोसे का प्रतीक

✷एनसीआर टुडे. करनाल ✷

2025: सौ साल से भी ज़्यादा समय से हमदर्द फ़ूड्स इंडिया शुद्धता और भरोसा का प्रतीक रहा है। इसी विरासत का एक अहम हिस्सा है हमदर्द हनी, जो प्राकृतिक

गुणों और क्वालिटी का पर्याय बन चुका है। बेहतरीन मधुमक्खी पालनों से सावधानी से प्राप्त और कड़े मानकों से तैयार किया गया यह हनी क्वालिटी और फूड सेफ्टी का भरोसा देता है। यह रिफाइंड शुगर का एक बेहतरीन विकल्प है, जो आज की तेज़ रफ़्तार ज़िंदगी में आसानी से फिट बैठता है।

हमदर्द हनी सिर्फ़ एक मिठास जोड़ने वाला प्रोडक्ट नहीं, बल्कि हर घर की ज़रूरत है। चाहे नाश्ते में शामिल करें, चाय में मिलाएं, स्मूदी में ब्लेंड करें या गुनगुने पानी के साथ लें, यह दिन की शुरुआत का बेहतरीन तरीका है। सख्त क्वालिटी चेक से गुजरकर हर बूँद हमदर्द की वर्षों पुरानी विरासत और भरोसे का प्रमाण देती है। ब्रांड के फोकस पर बात करते हुए, हमदर्द फूड्स इंडिया के सीईओ श्री हमीद अहमद ने कहा, "हमदर्द हनी हमारी उस फिलॉसफी को दर्शाता है जिसके लिए हम खड़े हैं—क्वालिटी, भरोसा और सुरक्षा मानक। आज के उपभोक्ता ज़्यादा प्रोसेस्ड फूड्स से दूर प्राकृतिक विकल्प चाहते हैं, और हमदर्द हनी उन्हें वही देता है। यह सिर्फ़ स्वाद की बात नहीं है, बल्कि प्राकृतिक अच्छाइयों के साथ ज़िंदगी समृद्ध बनाने की बात है। हमदर्द हमेशा ऐसे प्रोडक्ट लाने के लिए प्रतिबद्ध है जो लोगों को बिना किसी समझौते के बेहतर चॉइस अपनाने के लिए प्रेरित करें।" अदिति राव हैदरी के साथ एसोसिएशन ने ब्रांड की विरासत और वादे को और मज़बूत किया है। उनकी नैचुरल एलिगेंस और लाइफ़स्टाइल इस "नो कम्प्रोमाइज" फिलॉसफी को बखूबी दर्शाती है, यह बताते हुए कि शहद के मामले में शुद्धता और क्वालिटी से समझौता नहीं किया जा सकता। अपने विचार साझा करते हुए अदिति राव हैदरी ने कहा, "मेरे लिए वेलनेस का मतलब है आसान और शुद्ध चुनाव, और हमदर्द हनी बिल्कुल वही है। यह बहुउपयोगी है, नैचुरल है और पूरी तरह भरोसेमंद है। चाहे मैं इसे अपनी मॉर्निंग रूटीन में इश्तेमाल करूँ या रेसिपीज़ में, यह मुझे यकीन दिलाता है कि मैं सही चुनाव कर रही हूँ।" भरोसे और इनोवेशन के इस मेल से हमदर्द हनी लगातार परिवारों को बेहतर जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। प्राकृतिक मिठास के रूप में यह स्वाद का सच्चा साथी है। यह सुनिश्चित करता है कि हनी के मामले में क्वालिटी और फूड सेफ्टी स्टैंडर्ड पर कभी कोई समझौता न हो।

खेल सामग्री का सदुपयोग करें और छिपी खेल प्रतिभा को निखारें : विजय सिंह

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सोमवार इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में महिला एवं युवक मंगल दलों को खेल प्रोत्साहन सामग्री का वितरण करने के साथ ही सांसद एवं विधायक खेल प्रतिस्पर्धा का शुभारंभ किया गया। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलैक्ट्रेट स्थित एनआईसी में किया गया।

एनआईसी में आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष जिला पंचायत विजय सिंह ने महिला एवं युवक मंगल दलों को खेल प्रोत्साहन सामग्री का वितरण किया। उन्होंने खेल सामग्री प्राप्त करने वाले युवक-युवतियों से आव्हान किया कि वह इस खेल सामग्री का सदुपयोग करें और अपनी छिपी हुई खेल प्रतिभा को निखारें।

जिला युवा कल्याण अधिकारी जयपाल सिंह ने बताया कि खेल किट में 05 वॉलीबाल, 01 वॉलीबाल नेट, 05 फुटवाल, 03 रस्सीकूद एवं 01-01 एयर पंप व फिटनेस ट्यूब प्रदान किया गया है।

इस अवसर पर जिलाधिकारी संजीव रंजन, मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह, पीडी डीआरडीए भाल चंद्र त्रिपाठी, व्यायाम प्रशिक्षक राष्ट्रवर्धन लोधी, वरिष्ठ सहायक रणधीर सिंह एवं समश्त क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी < उपस्थित रहे।

कविता डोरई गंगीरी, नीशू शर्मा अजीतपुर आसना लोधा, लता दवथला जवां, आरती देवी शहपुर ठठोई गोंडा, अर्चना बझेड़ा खैर, नफीसा बेगम आजमाबाद माछुआ धनीपुर, मीनू निधौला धनीपुर, पंकज कुमार मुमरेजा गोंडा, हरिओम भाटी गोंडा, प्रतिज्ञा अलीपुर सिकरना धनीपुर, महिमा एवं विनय गंगेई चण्डौस, रोहित कुमार समश्तपुर कीरत लोधा को खेल किट प्रदान की गई।

निर्माण कार्य में लापरवाही व बिना साफ किये नाले का निर्माण करना पड़ा भारी

नगर आयुक्त ने एजेंसी पर लगाया 20 लाख का जुर्माना

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन की नगरों में विकास की सर्वोच्च प्राथमिकता की योजना मुख्यमंत्री-ग्रीन रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम (अर्बन)" (सी.एम. ग्रिड्स) के योजनान्तर्गत अलीगढ़ नगर निगम द्वारा लगभग 1518.75 लाख की लागत से वार्ड 54, 31, 30आई०टी०आई० रोड पर जेल पुल के पास स्थित बिजलीघर से आई०टी०आई० रोड होते हुए बरौला पुल तक 1.78 मीटर लंबी सड़क के निर्माण कार्य का नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने निरीक्षण किया।

गत रात्रि इस सड़क पर कार्यदाही फर्म पीपीएस द्वारा बिना नाले की सफ़ाई किये सीधे आरसीसी सीमेंट लगाकर नाले का निर्माण शुरू कर दिया था सूचना मिलने पर नगर आयुक्त ने इस पर गहरी नाराजगी जताते हुए दोपहर में कार्यालय में जनसुनवाई करने के उपरांत नगर आयुक्त ने मौका मुआयना किया। मौके पर नगर आयुक्त ने निर्माण विभाग के सहायक अभियंता राजवीर सिंह और कार्यदायी एजेंसी के साइट इंजीनियर से इस पर कड़ी नाराजगी जताई।

नगर आयुक्त ने सर्वोच्च प्राथमिकता की इस परियोजना में लापरवाही बरतने पर कार्यदही एजेंसी मैसर्स पीपीएस बिल्डर के विरुद्ध 20 लाख की पेनल्टी लगाते हुए निर्माण किए गए नाले को जेसीबी मशीन मंगवाकर ध्वश्त कराया। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कहा माननीय मुख्यमंत्री महोदय की सर्वोच्च प्राथमिकता की इस विकास कार्य की योजना में लापरवाही किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं की जाएगी फर्म के विरुद्ध 20 लाख का जुर्माना लगाने के साथ-साथ भविष्य के लिए चेतावनी दी जा रही है अगर भविष्य में दोबारा लापरवाही होती है तो फर्म के अनुबंध को निरश्त करते हुए ब्लैकलिस्टेड करने की कार्रवाई पर विचार किया जाएगा।

महिला के आशिक ने पेट में तमंचा सटाकर मारी गोली

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना गौड़ा क्षेत्र में बाइक पर अपनी पत्नी को दवा दिलाकर लौट रहे युवक की प्रेम प्रसंग के चलते एक महिला के प्रेमी ने गोली मारकर हत्या कर दी। महिला के विवाहेतर संबंध थे, जिसके कारण प्रेमी ने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया।

आरोपी ने पति के पेट में तमंचा सटाकर गोली मारी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच में राजमिस्त्री की हत्या में प्रेम प्रसंग का मामला निकल कर सामने आया और मृतक की पत्नी पर ही शक के आधार पर हिरासत में ले लिया है। पत्नी ने ही प्रेमी को बुलाकर राश्ते में राजमिस्त्री की गोली मारकर हत्या कराई थी । पुलिस ने महिला को उसके प्रेमी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया हैं।

गौंडा क्षेत्र के कलुआ निवासी हरिप्रसाद के बेटा रिंकू की पत्नी ब्रजेश का मुरवार के एक क्लीनिक में इलाज चल रहा था। शनिवार को भी उपचार कराने क्लीनिक आई।

करीब दो घंटा यहां रही। महिला ने अपने पति को फोन करके घर ले जाने के लिए बुलाया। इसके बाद ही प्रेमी को फोन कर दिया। पुलिस के अनुसार रिंकू जब पत्नी और बेटी को बाइक से लेकर गांव जा रहा था तभी गांव रफायतपुर के पास बाइक पर आए हमलावर ने उसके पेट पर तमंचा सटा कर गोली मार दी। गोली की आवाज और शोर सुनकर गांव वाले पहुंच गए। आनन फानन में निजी वाहन से घायल को जेएन मेडिकल कालेज भेज दिया गया। पुलिस भी मौके पर आ गई।

देर रात युवक ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इस मामले में पिता की ओर से अज्ञात के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया।

पुलिस ने इस मामले की जांच की तो हत्या के तार उसकी पत्नी से जुड़ते नजर आए। जिस क्लीनिक में उसका उपचार चल रहा था, वहां कंपाउंडर के फोन से महिला द्वारा दो काल की गई थीं। इसमें एक काल उसने पति को बुलाने के लिए की थी और दूसरी काल उस गोली चलाने वाले को की गई बतायी जा रही है। पुलिस ने काल डिटेल के आधार पर महिला को हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि गोली चलाने वाले आरोपित के साथ महिला का पिछले डेढ़ वर्ष से प्रेम प्रसंग चल रहा है। वह उसके घर आता जाता भी था। आरोपित भी शादीशुदा बताया जा रहा है।

फरीदाबाद से चंडीगढ़ के लिए रात में भी चलेंगी एसी बसें

फरीदाबाद, एजेंसी।
हरियाणा रोडवेज दिवाली से पहले फरीदाबाद के बल्लभगढ़ से चंडीगढ़ के लिए रात में एसी बस सेवा शुरू करने जा रहा है। पिछले काफी समय से यात्रियों की मांग पर इस बस को शुरू करने की योजना बनाई गई है। फिलहाल बल्लभगढ़ से चंडीगढ़ रूट पर 19 बसें चल रही हैं। इसमें से10 बसें एयरकंडीशन और 9 बसें सामान्य हैं। अब तक रात में बल्लभगढ़ से कोई भी बस चंडीगढ़ नहीं जा रही। एसी बस में बल्लभगढ़ से चंडीगढ़ तक का किराया 490 रुपये, जबकि सामान्य बस का किराया 340 रुपये है। जिनके मुख्यालय चंडीगढ़ में हैं। इसके अलावा हरियाणा और पंजाब हाईकोर्ट भी चंडीगढ़ में है। बल्लभगढ़-फरीदाबाद से चंडीगढ़ आने-जाने वाले लोगों की संख्या काफी रहती है। सरकारी अधिकारी और कर्मचारी भी रोडवेज की बसों में सफर करना पसंद करते हैं। बल्लभगढ़ से चंडीगढ़ के लिए पहली बस सेवा सुबह 3:20 बजे है और आखिरी बस रात

8:00 बजे हैं। इस कारण सरकारी काम और अदालती काम करने वाले लोग या तो सुबह 3 बजे या फिर 10-11 बजे के बीच पहुंचते हैं। यात्रियों की मांग पर रोडवेज प्रशासन ने दीवाली से पहले बल्लभगढ़ से चंडीगढ़ रूट पर रात्रि सेवा शुरू करने की तैयारी कर ली है। यह बस बल्लभगढ़ से रात 10:00 बजे चलकर वाया एनआईटी होते हुए दिल्ली आईएसबीटी बस अड्डा जाएगी। जहां से यह बस रात 12:00 बजे वाया सोनीपत, पानीपत, करनाल,अंबाला होते हुए चंडीगढ़ पहुंचेगी। अधिकारियों का दावा है कि यह बस सभी सरकारी कार्यालय व अदालत खुलने से पहले चंडीगढ़ पहुंच जाएगी। इसके चलते दैनिक यात्रियों और नौकरीपेशा यात्रियों को खासा लाभ होगा। हरियाणा रोडवेज के अधिकारी ने बताया कि बीएस-6 वाली बस में 54 यात्रियों के सफर करने की क्षमता है और इसकी लंबाई 12 मीटर होगी। इसके अलावा बस हीटिंग वेंटिलेशन एंड एयर कंडीशनिंग युक्त होगी और सीटें बेहद आराम दायक होगी। अधिकारियों का दावा है कि इस बस में यात्रियों को है। बल्लभगढ़ बार एसोसिएशन के प्रधान एडवोकेट विकास दलाल का कहना है कि चंडीगढ़ के लिए हरियाणा रोडवेज ने रात्रि सेवा में जो एयरकंडीशन बस चलाने की घोषणा की हैं।

सपा नेता आजम खान को मिली वाई श्रेणी की सुरक्षा

रामपुर, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान को वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। लंबे समय तक कानूनी उलझनों और जेल में रहने के बाद जमानत पर रिहा हुए आजम खान की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन ने यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उनके घर पर लगातार मिलने वालों की भीड़ को देखते हुए यह फैसला किया गया है। आजम खान को पहले भी वाई श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त थी, लेकिन कोर्ट द्वारा दोषी करार दिए जाने के बाद उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द होने के साथ ही सुरक्षा भी वापस ले ली गई थी। इसके बाद उनकी सुरक्षा को कुछ समय के लिए बहाल किया गया था, लेकिन सीतापुर जेल में बंद होने के दौरान उनकी सुरक्षा फिर से हटा दी गई थी। अब 23 महीने जेल में बिताने के बाद आजम खान जमानत पर रिहा हुए हैं। पुलिस प्रशासन ने उनकी सुरक्षा को फिर से बहाल करने का फैसला किया है। पुलिस प्रशासन के अनुसार आजम खान को वाई श्रेणी की सुरक्षा के तहत गार्ड और गनर तैनात किए गए हैं।

अयोध्या राम मंदिर पर लहराएगा 22 फीट लंबा भगवा ध्वज

अयोध्या, एजेंसी। यूपी के अयोध्या में श्रीराम मंदिर समेत श्रीराम जन्मभूमि परिसर के सभी मंदिरों में केसरिया ध्वज ही लहराएगा। इसमें इक्ष्वाकु के राज चिह्न कोविदार वृक्ष उपनाम (कचनार) के अलावा सूर्यवंश के प्रतीक सूर्य चिह्न भी दर्ज होगा। समन्वय के प्रतीक चिह्न ओंकार को भी ध्वज पर स्थान मिलेगा। यह निर्णय श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के पदाधिकारियों ने संत-समाज से परामर्श के बाद किया है।

इसका खुलासा तीर्थ क्षेत्र के कोषाध्यक्ष महंत गोविंद देव गिरि ने विशेष भेंट में किया। उन्होंने बताया कि ध्वज पर तीर्थ क्षेत्र महासचिव चंपतराय को अधिकृत कर दिया गया है। राम मंदिर के ध्वज की आकृति चौकोर और चौड़ाई 11 फीट, लंबाई 22 फीट होगी। ध्वजारोहण के लिए विवाह पंचमी की तिथि 25 नवम्बर है। पूर्णाहुति पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, संघ प्रमुख मोहन भागवत ध्वजारोहण करेंगे।

14 वर्षों के वनवास के बाद लंका विजय कर अयोध्या लौटे प्रभु श्री राम के आगमन की खुशी में मनाया जाने वाला दीपोत्सव पर्व राम

सूर्यवंश का प्रतीक सूर्य चिन्ह होगा दर्ज

मंदिर में भी पूरे उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस दीपोत्सव में राम मंदिर के पूर्णता की झलक भी दिखाई देगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के न्यासी डा अनिल मिश्र ने बताया कि राम मंदिर सहित सभी मंदिरों में देशी घी के खास दीपक जलाएं जाएंगे।

वहीं मंदिर प्रांगण से लेकर पूरे परिसर में भी सवा लाख दीपक जलाए जाएंगे। इनमें पत्थरों की सुरक्षा के लिए मोम के 40 हजार दीए बनवाए जा रहे हैं तो विशेष प्रकार के स्टैंड में रंग-बिरंगे इलेक्ट्रिक बल्ब भी जलाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त पूरे परिसर में 50 हजार से अधिक तेल के दीए भी जलाए जाएंगे। तीर्थ क्षेत्र के न्यासी डा मिश्र के मुताबिक पूरे परिसर की साज-सज्जा खास तरह से होगी। इस दौरान परिसर में स्थित मंदिरों में फसाड लाइटिंग की विशेष व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ विद्युत झालरों से भी पूरे परिसर को सुसज्जित किया जाएगा।

डा. मिश्र ने बताया कि इस दीपोत्सव में राम मंदिर के चारों प्रवेश द्वारों जन्मभूमि पथ जिसे आदिगुरु रामानंदाचार्य, क्रासिंग थ्री जो आदिगुरु माध्वाचार्य व क्रासिंग 11 जो आदिगुरु शंकराचार्य व उत्तरी प्रवेश द्वार जो आदिगुरु रामानुजाचार्य के नाम पर निर्मित हो रहा है, को भी विशेष तरीके से सजाया संवारा जाएगा। दीपोत्सव के अवसर पर आठ एकड़ क्षेत्रफल में निर्माणाधीन राम मंदिर के परकोटे की साज-सज्जा को खास तरह से कराने पर मंथन किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में विशेषज्ञों की राय भी ली जा रही है और इस साज-सज्जा के लिए एक्सपर्ट एजेंसियों से भी वार्तालाप चल रहा है।

तीर्थ क्षेत्र के न्यासी डा मिश्र का कहना है कि यद्यपि कि परकोटा अभी निर्माणाधीन अवस्था में है। फिर भी 70 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो गया है।

स्क्रैप दिलाने के नाम पर ठगे 15 लाख रुपए,केस दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मुरादनगर की ब्रजविहार कॉलोनी में रहने वाले व्यक्ति से स्क्रैप दिलाने के नाम पर 15 लाख रुपये की ठगी हो गई। पैसे वापस मांगने पर पीड़ित को जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित शमशुद्दीन ने बताया कि काफी समय पहले एक व्यक्ति से उनकी मुलाकात हुई। उसने बताया कि एक कंपनी का स्क्रैप बिक रहा है और उसमें काफी मोटा मुनाफा मिल सकता है। पीड़ित ने 15 लाख रुपये दे दिए। काफी समय बीतने के बाद भी जब स्क्रैप नहीं मिला तो वह उक्त स्थान पर पहुंचे, लेकिन वहां पर कुछ नहीं मिला। इसके बाद ही उन्हें अपने साथ ठगी का एहसास हुआ। पीड़ित ने एसपी ग्रामीण को शिकायत दी। एसपी ग्रामीण ने मुरादनगर पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिए हैं। सीओ ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकेश उर्फ मखिया निवासी राधेश्याम विहार कॉलोनी, सलीम निवासी सक्को वाली कॉलोनी और आशीष निवासी मनुआ गढ़ पोस्ट साधुनगर जिला बलरामपुर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खेत में काम कर रहे किसान के साथ मारपीट, बचाने आए भतीजे को भी पीटा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी के ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र के मीरपुर हिंदू गांव में शनिवार दोपहर खेत में काम कर रहे किसान के साथ गांव के लोगों ने डंडे से मारपीट की। किसान को बचाने पहुंचे भतीजे को भी पीट दिया। पुलिस ने महिला समेत चार नामजद और अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की है। मीरपुर हिंदू गांव निवासी योगेश त्यागी शनिवार को सुंदरपुर गांव के पास अपने खेत में काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि शाम करीब चार बजे गांव निवासी रामकरण अपने दो पुत्रों अभिनव, प्रत्यक्ष उर्फ शानू महिला रिक्सा और अज्ञात लोगों के साथ खेत पर पहुंचा। आरोप है कि रामकरण ने उनके साथ गाली गलौज करनी शुरू कर दी। विरोध पर हमला कर दिया। मारपीट में उन्हें काफी चोट आई उनके द्वारा शोर मचाए जाने पर भतीजा अरुण उन्हें बचाने के लिए मौके पर पहुंचा। जहां सभी ने मिलकर भतीजे के साथ भी मारपीट की। शोर मचाने पर आसपास के खेतों में काम कर रहे अन्य ग्रामीण एकत्र हो गए। जिस पर हमलावर दोनों को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गई। उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से की। सीओ लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पीड़ति की शिकायत पर महिला समेत चार नामजद और अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

मोबाइल और रिपेयरिंग का सामान चुराकर भागा कर्मचारी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। नंदग्राम थानाक्षेत्र के घूकना में भट्ठा रोड स्थित मोबाइल की दुकान पर काम करने वाला युवक कई मोबाइल तथा रिपेयरिंग का सामान चोरी करके फरार हो गया। पीड़ित दुकानदार ने थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है। आशीष गुप्ता का कहना है कि घूकना में भट्ठा रोड पर लक्की कम्यूनिकेशन नाम से उनकी मोबाइल की दुकान है। 21 सितंबर 2025 को उनकी दुकान से कई मोबाइल फोन, मदरबोर्ड तथा रिपेयरिंग का अन्य सामान चोरी हो गया। आशीष गुप्ता के अनुसार उनकी दुकान पर काम करने वाले घूकना मोड़ बुध चौक निवासी राहुल पांडेय चोरी की वारदात की है। शिकायतकर्ता ने बताया कि उन्होंने काफी खोजबीन की लेकिन न तो आरोपी का पता चला और न ही उनका चोरी का सामान वापस मिला। घटना के संबंध में आशीष गुप्ता ने 13 अक्तूबर को नंदग्राम थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। सीओ नंदग्राम उपासना पांडेय का कहना है कि शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है।

संदिग्ध हालात में आठ साल का बच्चा लापता

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। खोड़ा थाना क्षेत्र से एक आठ वर्षीय बच्चा संदिग्ध हालात में लापता हो गया। परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारियों में बच्चे की तलाश की और कुछ पता नहीं चलने पर थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई है। पुलिस बच्चे की तलाश कर रही है। खोड़ा क्षेत्र के लोकप्रिय विहार में रहने वाली अनीश के अनुसार उनका आठ वर्षीय बेटा सोहिल 11 अक्तूबर की शाम को घर से बाहर खेलते हुए संदिग्ध हालात में लापता हो गया। देर शाम तक भी जब वह घर नहीं लौटा तो उसकी तलाश की गई। आसपास और रिश्तेदारियों में तलाशने पर भी उसका कुछ पता नहीं चला, जिसके बाद थाने पर शिकायत की गई। सीओ इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव का कहना है कि बच्चे की गुमशुदगी दर्ज करके सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के जरिए बच्चे की तलाश की जा रही है।

कई इलाकों से ढलावघर खत्म होंगे

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। नगर निगम शहर के कई इलाकों से ढलावघर खत्म करेगा। फिलहाल उन स्थानों को चिन्हित किया जा रहा है जो आबादी के बीच में है तथा वहां कूड़ा डाला जा रहा है। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा. मिथिलेश कुमार ने बताया कि पिछले माह भी कई ढलावघर खत्म कराए थे। कूड़ा डालने पर रोक लगा दी है। फिर से कूड़ा डालने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा।

पुलिस ने 1 माह में 52 लापता लोगों को परिजनों से मिलाया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

कमिश्नरेट पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर एक माह के भीतर 52 लापता लोगों को तलाशकर उनके परिजनों से मिलाया। इनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं।

पुलिस ने गुमशुदाओं को तलाशकर परिजनों को सौंपा तो उनके खुशी का ठिकाना नहीं रहा। परिजन एकाएक बोले कि पुलिस ने उनकी दीपावली मनवा दी।

पुलिस आयुक्त जे. रविन्दर गौड़ ने बताया कि लापता हुए लोगों की तलाश के लिए पुलिस द्वारा एक विशेष अभियान चलाया गया था। 15 अगश्त से शुरू किए गए इस अभियान में पुलिस 15 सितंबर तक 21 लापता लोगों को तलाश कर परिजनों के सुपुर्द कर चुकी थी।

इसके बाद बीते एक माह में पुलिस ने 52 और लोगों को तलाश कर परिजनों के सुपुर्द किया है। बरामद किए गए व्यक्तियों में नौ नाबालिग और 29 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस आयुक्त का कहना है कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज में सुरक्षा और पुलिस के प्रति विश्वास की भावना को पैदा करना है।

महिला एवं बाल सुरक्षा को विशेष महत्व देते हुए सभी थाना प्रभारियों व एसीपी को निर्देशित किया गया है कि वह गुमशुदा हुए व्यक्तियों के प्रकरण को न सिर्फ गंभीरता से लें, बल्कि ऐसे मामलों में प्रभावी कार्रवाई भी करें।

पुलिस आयुक्त ने बताया कि लापता व्यक्तियों की तलाश के लिए पुलिस द्वारा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई और मोबाइल ट्रैकिंग व सोशल मीडिया मॉनिटरिंग आदि की भी मदद ली गई।

सर्वाधिक 23 लोग ग्रामीण जोन में बरामद हुए पुलिस आयुक्त ने बताया कि 15 सितंबर से 13 अक्तूबर तक एक माह के अभियान के तहत जो 52 लोग बरामद किए गए हैं, उनमें सबसे ग्रामीण जोन पुलिस ने बरामद किए हैं।

एक ओर जहां सिटी जोन में 16, ट्रांस हिंडन जोन में 13 लापता व्यक्ति बरामद हुए तो वहीं ग्रामीण जोन पुलिस ने सर्वाधिक 23 लापता लोगों को सकुशल बरामद किया।

पता चला है कि ज्यादातर नाबालिग अपने परिजनों से नाराज होकर घर से निकल गए थे। पुलिस आयुक्त का कहना है कि लापता लोगों को तलाशने में डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया सहायक सिद्ध हुई है।

बाइक सवार ने सड़क पार कर रहे बारहसिंगा को मारी टक्कर, दोनों घायल

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जिले में तेज रफ्तार का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। ताज़ा मामला चांदपुर रोड पर

स्थित रुहेलखंड स्कूल के पास का है, जहां एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने सड़क पार कर रहे बारहसिंगा को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बारहसिंगा और बाइक सवार युवक दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। घायल बारहसिंगा को देखने के लिए लोग बड़ी संख्या में एकत्रित हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी, जिसके बाद टीम मौके के लिए रवाना हुई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक की रफ्तार काफी तेज थी, जिससे टक्कर लगने पर बाइक सवार सड़क पर जा गिरा और बारहसिंगा दूर तक घिसट गया। फिलहाल घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है और वन विभाग बारहसिंगा के उपचार की व्यवस्था में जुटा है।

चोरी का सोना खरीदना पड़ा भारी धामपुर विशाखापट्टनम पुलिस ने किया गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

चोरी का सोना खरीदने के मामले में आंध्र प्रदेश की पुलिस ने नगर के एक सर्राफा व्यापारी के प्रतिष्ठान पर छापा मारा। पुलिस आरोपी को साथ लेकर यहां पर पहुंची, लेकिन सर्राफ ने उसे पहचानने से इंकार कर दिया और पुलिस खाली हाथ वापस लौट गई है।

आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में बीते 24 अगश्त 2025 को चोरी की एक घटना हुई थी। इस मामले में पीड़ित के द्वारा विशाखापट्टनम थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था।

वहां की पुलिस ने जब पूरे मामले की छानबीन की तो धामपुर के मोहल्ला पक्काबाग निवासी एक व्यक्ति का नाम प्रकाश में आया।धामपुर पहुंचे विशाखापट्टनम थाने के दारोगा मांजू राणा ने बताया कि उनके नेतृत्व में पुलिस की एक टीम चोरी के आरोपी को हिरासत में लेकर उससे की गई पूछताछ में सर्राफा बाजार में स्थित चर्चित सर्राफ की दुकान पर छापे की कार्रवाई की।

पुलिस ने जब आरोपी की निशानदेही पर संबंधित सर्राफ से वार्ता की तो उसने आरोपी को पहचानने से ही इंकार कर दिया।

यहां पर पूछताछ करने के बाद विशाखापत्तनम की पुलिस वापस लौट गई है। उधर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक राजेश चौहान ने इसकी पुष्टि की है।

राष्ट्रीय भ्रष्टाचार उन्मूलन समिति ने आई-कार्ड वितरण कर किया सम्मान समारोह आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

नगर में राष्ट्रीय भ्रष्टाचार उन्मूलन समिति द्वारा एक भव्य आई-कार्ड वितरण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगठन के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को आई-कार्ड देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सभी उपस्थित सदस्यों ने शपथ ली कि वे नशा मुक्त, भय मुक्त और भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण में अपना पूर्ण योगदान देंगे। यह सपना समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष दुर्गेश सिंह सेंगर और मुरादाबाद मंडल अध्यक्ष फहीम मलिक का है।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार इकबाल रूमानी ने किया। इस अवसर पर स्योहारा ब्लॉक सचिव मोहम्मद इरशाद की मौजूदगी में नगर श्तरीय नियुक्तियाँ भी की गईं।

दानिश वारसी को नगर अध्यक्ष, सद्दाम हुसैन को नगर उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके साथ ही फिरोज खान, आलीशान, रियाज, शारिक, शमशेर, दिलशाद, ज़ेद, मुशर्रफ, जावेद सहित दर्जनों पदाधिकारियों एवं सदस्यों को आई-कार्ड देकर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान नगर के पत्रकारों को भी उनकी सामाजिक एवं पत्रकारिता सेवाओं के लिए शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगठन के सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता और पत्रकार उपस्थित रहे।

नगर मे पुत्रों की दीर्घायु को महिलाओं ने रखा अहोई अष्टमी का व्रत

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगर मे अपने पुत्रों की दीर्घायु के लिए क्षेत्र में महिलाओं ने अहोई अष्टमी का व्रत रखा।

सुबह से ही महिलाओं में व्रत को लेकर काफी उत्साह था । महिलाओं ने पारंपरिक अनुष्ठान के साथ अहोई माता की कथा का गुणगान कर कथा सुनकर तारे निकलने पर अपना व्रत पूर्ण किया।

सोमवार को व्रत के लिए महिलाएं सुबह से ही अहोई माता की पूजा की तैयारियों में जुटी हुई थी। महिलाओं ने अहोई माता की दीवार पर तस्वीर कच्चे चावल के घोल के काढ़कर, बाजार से तश्वीर लाकर उसके सामने पानी, अनाज की कमोईयां, पूजा की थाली में दीप जलाकर अहोई माता की पौराणिक कथा सुनी। कथा सुनने के बाद अहोई माता से अपने पुत्रों की दीर्घायु की प्रार्थना की। महिलाओं ने अपनी सास को वस्त्र व उपहार के देकर पुत्रों की दीर्घायु के लिए आशीर्वाद लिया। देर शाम तारे देखने के बाद अर्ध्य देकर अपना उपवास खोला।

दिव्यांग महागठबंधन ने डीएम को सोपा ज्ञापन दिव्याग संगठनों के पदाधिरीयो का उत्पीड़न रोकने की मांग

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

राष्ट्रीय दिव्यांग संगठनों के पदाधिकारियों का उत्पीड़न रोके जाने को लेकर संगठन ने मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ को संबोधित एक शिकायत नुमा ज्ञापन माननीय जिलाधिकारी को सौंपा।

सोमवार को जिलाधिकारी बिजनोर को सौंपे गए शिकायतनुमा ज्ञापन में कहा है पुलिस दिव्यांग संगठनों के पदाधिकारियों का नाजायज उत्पीड़न कर रही है। दिव्यांग महागठबन्धन की बैठक धरना-प्रदर्शन व ज्ञापन के कार्यक्रमों को रोकने के लिए जनपद श्तर पर पदाधिकारियों को कई-कई दिनों तक नजरबन्द किया जा रहा है जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के विरूद्ध है।

आजाद भारत देश में हर नागरिक, हर संगठन को लोकतांत्रिक तरीके से शान्ति पूर्वक अपनी आवाज को उठाने का अधिकार है। इसके बावजूद पुलिस द्वारा नाजायज ढंग से हाउस अरेस्ट, नजरबंद करना कानून के विपरीत है, मानवाधिकारों का हनन हो रहा है। दिनांक 08 अक्टूबर 2025 को दिव्यांग महागठबन्धन के महासचिव वीरेन्द्र कुमार को थाना-गुजैनी, कानपुर नगर की पुलिस द्वारा बलपूर्वक उन्हें लखनऊ के ईको गार्डेन में दिव्यांग संगठनों की बैठक में जाने से रोकने का प्रयास किया गया।

दिव्यांग स्कूटी से खींचकर नीचे गिराने का प्रयास किया गया, जिससे उनको आंशिक चोट आई और उनके कपड़े फट गये। इस तरीके से दिव्यांगजनों की आवाज दबाने की कोशिश पुलिस द्वारा की गई है जो अमानवीय है।

उधर राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी दिव्यांग संगठनों के पदाधिकारियों का उत्पीड़न बन्द कराने व दिव्यांग महागठबन्धन के महासचिव वीरेन्द्र कुमार का नाजायज उत्पीड़न करने वाले थाना-गुजैनी, कानपुर नगर के पुलिस कर्मियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की मांग कर रही है। आशा है न्याय हित में इस सम्बन्ध में आप द्वारा दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी और भविष्य में दिव्यांग संगठनों के पदाधिकारियों का उत्पीड़न रोकने के निर्देश दिये जायेंगे।

इसी के साथ उन्होंने आयुष्मान कार्ड व अंत्योदय राशन कार्ड बनवाये जाए, अविवाहित दिव्यांगो का प्रधान मंत्री आवास योजना के अन्तर्गत आवास बनवाये जाए, उ०प्र० परिवहन निगम की बसो में दिव्यांगो का उत्पीडन रोका जाए और दिव्योगो को देखकर बसों को रोका जाए। इस मौके पर संगठन तिपेंद्र कुमार, मनोज कुमार, महफ़ूज, दिलशाद, बिजेंद्र कुमार आदि दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अधिवक्ता संघ ने उपेनदर अग्रवाल के निधन पर जताया शोक

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

झालू अधिवक्ता संघ झालू की बैठक में अधिवक्ताओं की एकता बनाए रखने पर बल देते हुए संघ का क्षेत्रीय ग्रामों में भी विश्तार करने का निर्णय लिया गया। बैठक में संघ के संस्थापक सदस्य उमेंद्र अग्रवाल के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया गया।

रविवार की अपराह्न सरस्वती विद्या केंद्र झालू के प्रांगण में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि संघ को मजबूत बनाए रखने के लिए अधिवक्ताओं को एकजुट रहना होगा तथा एक दूसरे के सुख दुःख में साथ रहना होगा।

अधिवक्ताओं ने संघ का क्षेत्रीय ग्रामों में विश्तार करने का निर्णय लेते हुए कहा कि क्षेत्र के अधिवक्ताओं को भी संघ का सदस्य बनाया जाएगा। बैठक में अधिवक्ताओं ने एक दूसरे को दीपावली पर्व की बधाई देते हुए कहा कि संघ हमेशा सभी धर्म के पर्वों को धूमधाम से मनाता है।

बैठक के अंत में संघ के प्रमुख संस्थापक सदस्य उमेंद्र अग्रवाल के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस दारुण दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने हेतु परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की गई।

उमेंद्र अग्रवाल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अधिवक्ताओं ने कहा कि वे संघ के संस्थापक सदस्य थे तथा बेहद सरल, सौम्य, हँसमुख तथा मिलनसार अधिवक्ता थे। उनके निधन से संघ को अपूरणीय क्षति हुई है। संघ उनकी कमी हमेशा महसूस करेगा। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष करतार सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता तथा सचिव फहीम अहमद के संचालन में आयोजित बैठक को साजन सिंह, इसरार अहमद, अनिल चौधरी, यशपाल सिंह, अजीत सिंह उर्फ़ रूबी, हितेश अग्रवाल, मोहम्मद शादाब शाह, मोहम्मद फैज, अभिषेक अग्रवाल, मौ. इकराम उर्फ सोनू आदि अधिवक्ताओं ने संबोधित किया किया।

अस्पताल में महिला कर्मचारी को थप्पड़ जड़े केस दर्ज

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

कविनगर थानाक्षेत्र के मणिपाल अस्पताल में एक महिला ने स्वास्थ्यकर्मी को थप्पड़ जड़ दिए। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपी महिला के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही।

शालीमार गार्डन निवासी सिमरन तंवर का कहना है कि वह कविनगर थानाक्षेत्र में एनएच-नौ स्थित मणिपाल अस्पताल के रोगी देखभाल विभाग में कार्यरत हैं। बीते आठ अक्तूबर की दोपहर करीब साढ़े 12 बजे आदित्य वर्ल्ड सिटी की अर्बन होम्स सोसाइटी में रहने वाली शिखा वेगी अपने बच्चे को दिखाने के लिए अस्पताल आई थी। सिमरन तंवर का आरोप है कि शिखा नेगी ने बिना किसी कारण के उन्हें अपने पास बुलाया और सबके सामने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए झगड़ा करने लगी। जब उन्होंने शांत कराने की कोशिश की तो शिखा नेगी ने उनके मुंह पर थप्पड़ जड़ दिए और मारपीट शुरू कर दी। पीड़िता के अनुसार पूरी घटना अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। सिमरन का कहना है कि आरोपी महिला ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। घटना की सूचना अस्पताल प्रबंधन को देने के बाद सिमरन तंवर ने कविनगर थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य का कहना है कि शिकायत के आधार पर 13 अक्तूबर को आरोपी महिला के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

भाकियू अराजनैतिक ने गंगा एक्सप्रेस वे की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को पोस्ट कार्ड भेजे

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने गंगा एक्सप्रेस वे व गन्ने का मूल्य 500 रुपए किए जाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को पोस्ट कार्ड भेजे।

प्राप्त समाचार के अनुसार भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी व कार्यकर्ता गांव सदरूद्दीन नगर के चौराहे पर एकत्रित हुए। जहां से सभी कार्यकर्ता रैली की शक्ल में गांव सदरुद्दीन नगर के पोस्ट ऑफिस पहुंचे।

जहां किसानों ने गंगा एक्सप्रेस वे को बिजनौर से जोड़ने तथा गन्ने का मूल्य 500 रुपए प्रति क्विंटल घोषित किए जाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पोस्ट कार्ड भेजे।

इस अवसर कर किसानों ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद बिजनौर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपने संबोधन में गंगा एक्सप्रेस वे को बिजनौर से निकाले जाने की घोषणा की थी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा घोषणा के बावजूद गंगा एक्सप्रेस वे बिजनौर से होकर न निकालने को बिजनौर की जनता से वादा खिलाफी की है। उन्होंने कहा कि जान चली जाए लेकिन गंगा एक्सप्रेस वे को बिजनौर में लाकर ही दम लेंगे।

साथ ही उन्होंने कहा कि गंगे का सीजन शुरू होने वाला है अभी तक गन्ने का रेट घोषित नहीं किया गया है। गन्ने का रेट 500 रुपए प्रति क्विंटल होना चाहिए। इस मौके पर ब्लॉक महासचिव चौधरी धर्मवीर सिंह, संगठन मंत्री अंकुर चौधरी, मंडल उपाध्यक्ष लोकेंद्र सिंह डोडवाल, जिला सचिव सोवीर सिंह,अक्षय चौधरी, जोनी कुमार, शोवीर सिंह, राजवीर सिंह, नीरज कुमार, सुभाष चंद्र, अंकुल आर्य, कुलदीप शर्मा, विकास राठी, सत्येंद्र कुमार, छोटू चौधरी, रजत चौधरी, खुर्शीद आलम, आशीष चौधरी आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

IRCTC मामला : लालू परिवार पर आरोप तय, बीजेपी सांसद का "मन दुखी है"

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आईआरसीटीसी घोटाला मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार को एक बड़ा झटका लगा है।

दिल्ली की राउज़ एवेन्यू स्थित विशेष अदालत ने शनिवार को लालू यादव, उनकी पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, पुत्र तेजस्वी यादव सहित 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं।

अदालत ने जब सभी आरोपियों से पूछा कि क्या वे आरोप स्वीकार करते हैं, तो लालू यादव ने स्पष्ट कहा, "सभी आरोप गलत हैं।"

इस न्यायिक निर्णय के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। इस पूरे घटनाक्रम पर गाज़ियाबाद से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अतुल गर्ग ने गहरी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि एक आम नागरिक होने के नाते उन्हें इस स्थिति पर "बेहद दुख" है।

उन्होंने कहा, "बहुत दुख होता है जब वे लोग, जो शासन चलाते हैं और जनता के हितों की रक्षा की शपथ लेते हैं, बार-बार भ्रष्टाचार के मामलों में दोषी पाए जाते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसे लोगों को अब भी प्रमुख राजनीतिक दलों में सम्मान और प्रमुखता दी जाती है।"

सांसद गर्ग ने अपने बयान में बिना किसी का नाम लिए विपक्षी दलों, विशेषकर कांग्रेस और उसके सहयोगी गठबंधन दलों पर भी अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधा। उन्होंने कहा, "जो राजनीतिक दल संविधान की दुहाई देते हैं, वे खुद सजायाफ्ता नेताओं के साथ मंच साझा करते हैं।

जो गठबंधन चुनावों से पहले तय करते हैं कि एक दोषसिद्ध व्यक्ति को ही मुख्यमंत्री बनाया जाएगा, क्या वे वाश्तव में संविधान का पालन कर रहे हैं? क्या यह देश की जनता के साथ न्याय है?"

अतुल गर्ग ने आगे कहा कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई ही लोकतंत्र की सच्ची मजबूती है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जनता को ऐसे नेताओं से सावधान रहना चाहिए जो व्यक्तिगत हितों के लिए नैतिकता की सीमाएँ लांघते हैं।

हालांकि, जब सांसद से यह पूछा गया कि लालू परिवार पर आरोप तय किए जाने का बिहार चुनाव पर क्या असर पड़ेगा, तो उन्होंने किसी भी राजनीतिक टिप्पणी से परहेज़ करते हुए कहा, "मैं राजनीतिक दृष्टिकोण से कुछ नहीं कहना चाहता, परंतु एक नागरिक के रूप में मेरा मन दुखी है।"

ज्ञात हो कि आईआरसीटीसी घोटाला मामला वर्ष 2006 से संबंधित है, जब लालू प्रसाद यादव रेलमंत्री थे। आरोप है कि उन्होंने आईआरसीटीसी के दो होटलों के संचालन का ठेका एक निजी कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए दिया था, जिसके बदले में उनके परिवार को पटना में भूमि दी गई थी। सीबीआई की जांच में इस लेनदेन को भ्रष्टाचार से जोड़कर देखा गया है। अदालत द्वारा आरोप तय किए जाने के बाद अब इस मामले की नियमित सुनवाई शुरू होगी।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह फैसला बिहार की सियासत में हलचल पैदा कर सकता है और आगामी चुनावी समीकरणों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है।

अनुष्का धामा एक दिन की एसएचओ बनीं

ट्रांस हिंडन, 13 अक्टूबर (वेब वार्ता)। राजेंद्र नगर स्थित डीएलएफ पब्लिक स्कूल की कक्षा 12वीं की छात्रा अनुष्का धामा ने एक दिन के लिए एसएचओ का दायित्व निभाया और नारी शक्ति की सक्रियता का प्रेरक उदाहरण प्रशुतत किया। उन्होंने शालीमार गार्डन पुलिस स्टेशन में पुलिस अधिकारियों के साथ काम करते हुए स्टेशन के कार्यों और जनता से जुड़ने की प्रक्रिया को समझा। उन्होंने सहानुभूति, अनुशासन और सेवा-भाव का परिचय दिया।

संपादकीय

मुक्त व्यापार समझौतों की नई अहमियत

यकीनन इस समय भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से निर्यात और निवेश बढने का अभूतपूर्व परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। यह बात महत्वपूर्ण है कि भारत के द्वारा मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ऑस्ट्रेलिया के साथ किए गए एफटीए की प्रगति से संबंधित जो नए आंकड़े प्रकाशित हुए हैं, उनके मुताबिक जहां इन देशों के साथ व्यापार तेजी से बढ़ा है, वहीं इन देशों में निर्यात भी बढ़े हैं।

हाल ही में 8-9 अक्टूबर को भारत दौरे पर आए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ विगत 24 जुलाई को भारत और ब्रिटेन (यूके) के बीच एफटीए के विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण रणनीतिक विचार मंथन किया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच एफटीए से मिलने वाले अवसर बेजोड़ होंगे। भारत के साथ एफटीए आर्थिक वृद्धि का लांचपैड है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। गौरतलब है कि भारत में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एफटीए को मंजूरी दे दी है, अब ब्रिटेन के द्वारा संसद की मंजूरी ली जाएगी। इसी तरह भारत और ओमान के बीच एफटीए को लेकर बातचीत पूरी हो चुकी है और जल्द ही दोनों के बीच एफटीए पर हश्ताक्षर होने की उम्मीद है।

इतना ही नहीं, वर्ष 2025 के अंत तक यूरोपीय यूनियन के साथ एफटीए लागू होने की पूरी संभावना है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि इस समय भारत तेजी से नए एफटीए की ओर कदम बढ़ाने की रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि एक अक्टूबर से भारत और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के बीच एफटीए लागू हो गया है।

इस व्यापार समझौते पर 10 मार्च 2024 को हश्ताक्षर किए थे, लेकिन प्रक्रिया संबंधी औपचारिकताओं के कारण यह समझौता अब लागू हुआ है। वश्तुतः मुक्त व्यापार समझौता दो या दो से अधिक देशों के बीच एक ऐसी व्यवस्था है जहां वे साझेदार देशों से व्यापार की जाने वाली वश्तुओं पर सीमा शुल्क को खत्म कर देते हैं या कम करने पर सहमत होते हैं। भारत और एफ्टा देशों के बीच लागू हुआ यह व्यापार समझौता यूरोप के एक महत्त्वपूर्ण आर्थिक ब्लॉक के साथ भारत के विदेश व्यापार को नई दिशाएं देगा। इस समझौते के तहत भारत ने एफ्टा देशों की 80-85 प्रतिशत वश्तुओं पर शुल्क शून्य किया है। इसके बदले में भारत को 99 प्रतिशत वश्तुओं पर शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच मिलेगी। जहां कृषि, डेयरी, सोया व कोयला सेक्टर को इस व्यापार समझौते से दूर रखा गया है, वहीं प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम से जुड़े सेक्टर के लिए भी भारतीय बाजार को नहीं खोला गया है। यह भी महत्वपूर्ण है कि ग्रीन व विंड एनर्जी, फार्मा, फूड प्रोसेसिंग, केमिकल्स के साथ उच्च गुणवत्ता वाली मशीनरी के क्षेत्र में एफ्टा देश भारत में निवेश करेंगे जिससे इन सेक्टर में हमारा आयात भी कम होगा और भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने में मदद मिलेगी। निःसंदेह भारत के हिसाब से इस व्यापार समझौते का सबसे बड़ा लाभ एफ्टा देशों से मिली निवेश प्रतिबद्धता है।

अब यह समझौता लागू होने के बाद आगामी 10 वर्षों के भीतर एफ्टा देशों से भारत में 50 अरब डॉलर का निवेश और अगले 5 वर्षों में अतिरिक्त 50 अरब डॉलर निवेश की उम्मीद है। इससे 15 वर्षों में भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष नौकरियों के सृजन की आस है। बहरहाल भारत ने ऐसा पहला समझौता किया है, जिसमें बाजार तक पहुंच निवेश से जुड़ी हुई है। यह भी महत्वपूर्ण है कि इस समझौते में 14 अध्याय हैं। इनमें वश्तुओं के व्यापार, उत्पत्ति के नियम, शोध एवं नवाचार, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), सेवाओं का व्यापार, निवेश प्रोत्साहन और सहयोग, सरकारी खरीद, व्यापार में तकनीकी बाधाएं और व्यापार सुविधा शामिल हैं। यह भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है कि अमेरिका के द्वारा 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद भारत ने रूस और चीन के साथ आर्थिक-वैश्विक कूटनीति और नए निर्यात बाजारों में आगे बढने की जो रणनीति अपनाई, वह कारगर दिखाई दे रही है।

इस नीति से जहां ट्रंप के टैरिफ के बीच पिछले अगश्त और सितंबर माह में अमेरिका को छोडक़र अन्य देशों में भारत के निर्यात बढ़े हैं, वहीं पूरी दुनिया आश्चर्य के साथ देख रही है कि कल तक भारत को डेड इकॉनामी बताते हुए भारत पर सबसे ऊंचे टैरिफ लगाकर छठे दौर की व्यापार वार्ता को रोकने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अब अपना तेवर बदलते हुए भारत के साथ व्यापार समझौते को शीघ्र पूरा करने के संकेत दिए हैं। यह भारत की एक ऐसी आर्थिक-कूटनीतिक जीत है, जिससे प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया में भारत का कद बढ़ा दिया है। जिस ट्रंप के सामने बड़े-बड़े वैश्विक नेताओं की बोलती बंद हो जाती है, सार्वजनिक तौर पर ट्रंप को ना कहने के लिए वे हिम्मत नहीं जुटा पाते, ऐसे ट्रंप के सामने प्रधानमंत्री मोदी व्यापार समझौते की वार्ता के तहत अपने करोड़ों किसानों और मछुआरों के हितों के मद्देनजर बिना झुके अपनी शर्तों के साथ अडिग रहे और अब अमेरिका के साथ व्यापार समझौते का अनुकूल परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। अब छठे दौर की वार्ता तेजी से आगे बढ़ेगी और जल्द ही इसके अनुकूल परिणाम आ जाएंगे।

साथ ही 30 नवंबर के बाद भारत पर रूसी तेल खरीद पर लगाए गए अतिरिक्त टैरिफ को अमेरिका वापस लेते हुए दिखाई दे सकता है तथा अन्य टैरिफ में भी कमी आ सकती है। निश्चित रूप से अब एफटीए की डगर पर आगे बढ़ते समय यह ध्यान रखा जाना होगा कि एफटीए तभी लाभकारी होते हैं, जब वे सही तरीके से इस्तेमाल में लाए जाएं। चूंकि अब निकट भविष्य में भारत कई देशों के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर करेगा, इस परिप्रेक्ष्य में सरकार के द्वारा निर्यातकों और छोटे व्यवसायियों को नए बाजारों के लाभों से संबंधित पर्याप्त जानकारी देकर नए मौकों का फायदा उठाने के लिए जागरूक बनाया जाना होगा। साथ ही सरकारी निकायों के द्वारा गैर शुल्क बाधाओं संबंधी समाधान हेतु उपयुक्त मार्गदर्शन भी दिया जाना होगा।

इसके साथ-साथ एफटीए के तहत निर्यात बढ़ाने के लिए उत्पादन की गुणवत्ता सुधारने और कारोबार की सुगमता के लिए अधिक प्रयास किए जाने होंगे। उम्मीद करें कि ट्रंप के टैरिफ की चुनौतियों के बीच भारत के तेजी से बढ़ते हुए एफटीए भारत के निर्यात और निवेश के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। उम्मीद करें कि अब अमेरिका के अलावा भारत के द्वारा कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए शीघ्र ही आकार लेते हुए दिखाई देंगे।

मायावती के शक्ति प्रदर्शन से अखिलेश के उड़े होंश

कांतिलाल मांडोत

लखनऊ में मायावती ने नौ साल बाद जबरदश्त शक्ति प्रदर्शन किया। पांच लाख की जनमेदनी ने समाजवादी पार्टी को सोचने के लिए मजबूर कर दिया। हाथी की मश्त चाल से सियासत गरमा गई है। उत्तरप्रदेश के साथ बिहार में हलचल तेज हो गई है। उत्तरप्रदेश विधानसभा में मिली करारी शिकश्त के बाद करीब नौ साल के बाद यह पहली विशाल रैली निकालकर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की आवाज सुनकर कार्यकर्ता फुले नही समाए।

उत्तर प्रदेश में हार का कारण का पता लगाने की जगह मायावती ने अनर्गल बयान दिया। परंतु मायावती को आत्ममंथन की आवश्यकता थी। मायावती की पार्टी बहुजन समाजवादी पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने विपक्षी पार्टियों पर आरोप लगा दिया था। लखनऊ में पार्टी सम्मेलन में पांच लाख की जनमेदनी देखकर मायावती ने कहा कि इनको बुलाया नही गया है। इतने लोग स्वयं चलकर अपनी मर्जी से पार्टी सम्मेलन का हिस्सा बने है। मायावती ने भाजपा और समाजवादी दोनो पर निशान साधते हुए बहुजन समाज एकता और राजनैतिक पुनरुत्थान का बिगुल फूंका। मायावती हर समय अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाहती है।

मायावती की साख में उनकी पार्टी के पतन के साथ ही कमी महसूस की गई है। मायावती और बसपा की रणनीति का हिस्सा रहा है। दलितों को अपनी मुट्ठी में समझने वाली मायावती ने अपनी पार्टी का सिम्बोल हाथी का स्टेच्यू लखनऊ आदि शहरों में लगवा दिया था। मायावती की उड़ान मन्द पड़ गई है। अब मायावती की झोली खाली है। दलितों को बराबरी का सपना दिखाने वाली मुख्यमंत्री की कुर्सी पर पहुंचने वाली मायावती का मंसूबा प्रधानमंत्री बनने का था। मायावती का सपना तो पूरा नही हुआ, पर अब तक अपना अशितत्व बचाने की चुनौती उसके सामने है। मायावती की हार का असली कारणों और मुद्दों को दरकिनार करके स्वर्ण और सतारूढ़ दल पर अनर्गल आरोप लगाकर राजनीति जमीन तैयार करना बसपा की रणनीति रही है।

चार दशक पहले बहुजन समाजपार्टी जिन मुद्दों, नारो, रणनीति, सामाजिक समीकरण और सेना के सहारे संसदीय रणनीति में उतरी थी, आज भी उसी के सहारे खड़ी है। जबकि सच्चाई यह है कि चार दशक में देश और प्रदेश की राजनीति और समाज मे ढेर सारे परिवर्तन हो चुके है। लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार, ओमप्रकाश चौटाला, मायावती आदि दर्जनभर नाम पीएम की पहली पंक्ति में थे। लेकिन मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी के विकास को देखकर ये नेता प्रधानमंत्री बनने का विचार छोड़ दिया। इन नेताओं ने कहा कि मोदी सुपर है।

इनके जैसा कार्य हमसे नही हो सकता है। मायावती के सपने मोदी के बाद झूलते नजर आए। दलित और अति पिछड़े समाज में भी अधिक और शैक्षणिक उन्नति हुई है। लेकिन मायावती ने अपनी रणनीति में कोई ठोस बदलाव नहीं किया है। जो बदलाव किए है उसे महज सत्ता पाने तक सीमित रखा। पार्टी और संगठन के आंतरिक ढांचे में उन परिवर्तनों का कोई असर नही पड़ा। आज भी मायावती के मन मे विकास की कोई धारणा नही है।

विपक्ष पर निशान साधते हुए कांशीराम के बनाये स्मारकों के रखरखाव पर विपक्ष को घेरती नजर आई। सपा ने स्मारकों और पार्को की हालत खराब कर दी है। लेकिन भाजपा की तारीफ करते हुए कहा कि इनकी सरकार ने मरम्मत कराई। उपस्थित कार्यकर्ताओ को नसीहत देते हुए कहा कि भाजपा, समाजवादी, कांग्रेस सभी जातिवादी सोच की पार्टियां है और इनसे संभल कर रहने की चेतावनी दी। मायावती ने कहा कि ये दल संकीर्ण सोच वाले है। मायावती ने एकाधिकार बनाये रखने के लिए ढेर सारे नेताओ को पार्टी से बाहर कर दिया। कुछ खुद चले गए थे। डीएसफोर के जमाने मे नेताओ को बाहर का राश्ता बता दिया। विकास का कोई मुद्दा इनके मन में नही है। नेताओ के जाने के बाद बहुजन समाजवादी पार्टी को वैचारिक और सांगठनिक श्तर भारी कीमत चुकानी पड़ी थीं। जिसके बाद राजनीतिक चाल चलते हुए मायावती ने बहुजन के स्थान पर सर्वजन का नारा दिया।

उस दौर में लोगो के पक्ष की बात करदेते थे तो मतदाता पार्टी से अनायास जुड़ जाते थे। निरक्षर समाज और गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले गरीब लोग दो कीलो चावल और दो लीटर केरोसिन पर वोट देने के लिए और पार्टी का प्रचार के लिए तैयार हो जाते थे। आज शिक्षित समाज किसी भी मुद्दे पर सौ बार विचार करता है। आज किसी को बेवकूफ बनाना टेडी खीर है।

अब सर्वजन कौन कहे बहुजन भी मायावती से पीछा छुड़ाता दिख रहा है। 2012 में मायावती को विपक्ष की भूमिका दी थी। पांच वर्ष तक मायावती विपक्ष की भूमिका निभाने के बजाय सत्ता के इंतजार में गंवा दिया। जबकि अखिलेश कुमार की सरकार में प्रदेश की जनता को दंगो की आग का सामना करना पड़ा। जबकि मायावती मौन साधे बैठी रही।

इस बार मायावती का भाषण सुनने लोग सभा मे एकत्रित तो हुए है लेकिन आज भी विकास की कोई बात या दलित गरीबो के उत्थान का मापदंड मायावती के मन मे नही है। 2012 में जनता ने विपक्ष की भूमिका निभाने लायक नहीं रखा। मायावती के हार के अनेक कारण है। लेकिन मायावती फूली नही समा रही है। मजूबत वोट बैंक के अभाव में दलित मतों में बिखराव और अपने आधार वोट को मजबूत करने के बजाय मायावती ने पुराने दांव ही अपनाए है। वर्तमान आईआईटी का जमाना है। मायावती को अपने विचार अपनी सोच और टेक्नोलॉजी पर गहन विचार कर मतदाताओ के दिल मे जगह बनाने की कोशिश करनी चाहिए।

2007 में मायावती ने विधानसभा चुनाव के पहले बसपा ने अति पिछड़ा, दलित के साथ मुसलमान और ब्राह्मण वर्ग को अपने साथ जोड़ने के लिए सामाजिक भाईचारा कार्यक्रम शुरू किया। यह जवाबदारी सतीश चंद्र मिश्र और नसीमुद्दीन को सौंपी गई। जिसके मद्देनजर एक मजबूत आधार तैयार हुआ। सूबे की राजनीति से माफिया उन्मूलन और कानून का राज स्थापित करने का वादा किया। जिसका फायदा उस समय चुनाव में मिला। और मायावती पूर्ण बहुमत से मुख्यमंत्री बनी। लेकिन 2017 में अपने मुद्दों और मजबूत आधार नही दे पाई। 90के दशक में मुलायमसिंह यादव और बहुजन पार्टी का यूपी की राजनीति में वर्चस्व स्थापित होना शुरू हो गया था। मायावती बहनजी के पार्टी की साख पूरे भारत मे थी। मायावती की पार्टी अन्य राज्यो में भी चुनाव लड़ती थी। लेकिन धीरे धीरे जातीय संगठन को चुनाव तक ही सीमित रखा और पार्टी की बढ़ती साख पर ग्रहण लगने लगा।

नेताओ को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नही दी जाती थी। शुरुआती दौर में सवर्णों के इतर दलित और पिछड़े वर्ग के काडरों के संगठन को महत्वपूर्ण पद पर रखा। अति पिछड़ा वर्ग के ढेर सारे नेता पार्टी का चेहरा हुआ करते थे। लेकिन मायावती की निरंकुश जीवनशैली और पार्टी के एकाधिकार के कारण अधिकांश दलित और पिछड़े नेताओ को बेइज्जत करके पार्टी से बाहर का राश्ता बता दिया। तब सम्पूर्ण दलित और पिछड़ों के बजाय बसपा दलितों की सिर्फ पार्टी मानी जाने लगी थी।

चुनाव के पूर्व स्वामी प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और आरके चौधरी और पार्टी के कई छोटे बड़े नेताओ ने पार्टी को अलविदा कह दिया। बसपा छोड़ने वाले नेता भाजपा में शामिल हो गए। जिस दल में किसी के अधिकारी को छीना जाता है। पार्टी में उनकीनही सुनी जाती है, तब यही हश्र होता है। इससे जहां भाजपा मजबूत हुई, वही बसपा में दूसरी पंक्ति के नेताओ का अभाव हो गया।

मायावती को एक भरोसा था कि दलित और पिछड़ा उनके साथ है। यूपी में 40 से ज्यादा दलित मुस्लिम वोटर है। लेकिन कांग्रेस की तरह इन जातियों के साथ भी बसपा ने वो ही व्यवहार किया। मुसलमानों को अधिक टिकट और चुनाव के वक्त कुख्यात माफिया मुख्तार अंसारी को पार्टी में शामिल कर दलित मुस्लिम गठजोड़ का संदेश दिया। मायावती मीडिया से दूरी बनाकर चलती है। सत्ता में रहते हुए मीडिया को तवज्जो नही दी। मायावती की माया वो ही जाने, लेकिन लखनऊ की राजगद्दी मायावती के लिए बहुत दूर है। क्योंकि योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री के तौर विकास की गंगा बहा दी गई है। जिसकी रोशनी में विपक्ष की आंखे चरमराई हुई है। उत्तरप्रदेश देश मे आर्थिक मजबूती में दूसरे नम्बर पर है। चारो तरफ विकास की होड़ लगी हुई है। लेकिन मायावती की सोच उसी पर टिकी हुई है कि ईवीएम धांधली से हमे हराया गया। मायावती को अभी तक ईवीएम मशीने ही दृष्टिगोचर हो रही है। लेकिन उनकी भूल तक स्वीकार नही है। मायावती को राजनीति की दहलीज तक जाने के लिए फिर से भारी मेहनत करनी होगी। क्योंकि उत्तरप्रदेश अब उत्तमपुरुष के हाथों उत्तम प्रदेश बन चुका है।

"गुरुहीन स्कूल, अधूरा भविष्य-शिक्षा व्यवस्था पर संकट की दस्तक'

हरियाणा के सरकारी स्कूलों में 12, 000 से अधिक शिक्षक पद रिक्त हैं, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता बुरी तरह प्रभावित हो रही है। नूंह जैसे जिलों में एक शिक्षक पर 100 से अधिक बच्चों का बोझ है। सरकार की धीमी भर्ती प्रक्रिया और असमान पदस्थापन इस संकट को गहरा कर रहे हैं। शिक्षा नीति 2020 के अनुसार हर बच्चे को समान व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अधिकार है। इसके लिए सरकार को त्वरित, पारदर्शी और स्थायी भर्ती नीति लागू करनी चाहिए ताकि हर कक्षा में शिक्षक और हर बच्चे के जीवन में ज्ञान का उजाला हो।

डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा की शिक्षा व्यवस्था इस समय एक गहरे संकट से गुजर रही है। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी ने न केवल पढ़ाई की गुणवत्ता को प्रभावित किया है, बल्कि बच्चों के भविष्य पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। हाल ही में आई रिपोर्टों के अनुसार प्रदेश में 12, 000 से अधिक शिक्षक पद रिक्त हैं।

यह संख्या केवल एक प्रशासनिक आँकड़ा नहीं, बल्कि उन हजारों बच्चों की उम्मीदों का प्रतीक है जो अपने जीवन की दिशा तय करने के लिए इन स्कूलों पर निर्भर हैं। स्थिति इतनी भयावह है कि कुछ जिलों में एक-एक शिक्षक पर 100 से अधिक बच्चों की जिम्मेदारी आ चुकी है। हरियाणा जैसे शिक्षित और विकसित राज्य में यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। एक ओर सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्य पूरे करने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर स्कूलों में ब्लैकबोर्ड तक खाली हैं। शिक्षक समाज की नींव होते हैं, वे केवल पढ़ाई नहीं कराते बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। जब इन स्कूलों में गुरुजी ही न हों, तो बच्चों का मनोबल, सीखने की क्षमता और भविष्य सभी खतरे में पड़ जाते हैं।

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि राज्य के विभिन्न विभागों में शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया वर्षों से अधर में लटकी हुई है। बार-बार घोषणाएँ होती हैं, पदों का विज्ञापन निकलता है, लेकिन या तो चयन प्रक्रिया धीमी रहती है या फिर नियुक्तियाँ समय पर नहीं हो पातीं। नतीजा यह है कि हजारों स्कूल ऐसे हैं जहाँ या तो एक ही शिक्षक पूरी जिम्मेदारी उठा रहा है, या फिर अस्थायी आधार पर 'गेस्ट टीचर' व्यवस्था से काम चलाया जा रहा है। यह स्थिति बच्चों के हित में नहीं है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि एक शिक्षक पर अधिकतम 30-35 विद्यार्थियों से अधिक का बोझ नहीं होना चाहिए। ऐसा इसलिए ताकि शिक्षक व्यक्तिगत ध्यान दे सकें और सीखने की प्रक्रिया को सार्थक बनाया जा सके। मगर नूंह, पलवल, महेंद्रगढ़ जैसे जिलों में यह अनुपात 1:100 तक पहुँच गया है। यह केवल एक शैक्षणिक समस्या नहीं बल्कि सामाजिक असमानता की कहानी भी कहता है। क्योंकि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे वही हैं जिनके माता-पिता निजी शिक्षा का खर्च नहीं उठा सकते। इस वर्ग के लिए सरकारी स्कूल ही एकमात्र आशा हैं, और जब इन स्कूलों की दशा ऐसी हो जाए, तो समाज का भविष्य ही संकट में पड़ जाता है।

सरकार ने वर्ष 2024 में 14, 295 नए पदों पर भर्ती की घोषणा की थी। लेकिन जिस गति से प्रक्रिया आगे बढ़ रही है, उसे देखकर लगता है कि यह लक्ष्य 2025 के अंत तक भी पूरा नहीं हो पाएगा। शिक्षकों की भर्ती के लिए लंबी प्रक्रिया, कोर्ट के केस, दस्तावेजी जाँच, रिजर्वेशन विवाद, और विभागीय सुश्ती — सब मिलकर स्थिति को और जटिल बना रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, जो शिक्षक सेवानिवृत्त हो रहे हैं, उनकी जगह तुरंत नई नियुक्ति नहीं की जा रही। इसका अर्थ यह हुआ कि रिक्तियों की संख्या समय के साथ बढ़ती ही जा रही है।

हरियाणा के कुछ जिलों में हालात इतने खराब हैं कि स्कूलों में एक ही शिक्षक हिंदी, गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन सब कुछ पढ़ा रहा है। नतीजतन, बच्चों की समझ कमजोर होती जा रही है। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में पास करवाना नहीं बल्कि सोचने, समझने और समाज में योगदान देने की क्षमता विकसित करना होता है। लेकिन ऐसी परिस्थितियों में बच्चों को केवल औपचारिक शिक्षा मिल रही है, वाश्तविक ज्ञान नहीं।

शिक्षक केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि समाज के विकास की रीढ़ हैं। उनके बिना कोई भी नीति, कोई भी योजना सफल नहीं हो सकती। शिक्षक का होना ही विद्यालय की आत्मा का होना है। जब शिक्षकों की कमी होती है, तो स्कूल भवन तो रह जाते हैं, लेकिन शिक्षा का सार कहीं खो जाता है।

सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या लगातार घट रही है क्योंकि अभिभावक अब निजी स्कूलों की ओर झुक रहे हैं। लेकिन निजी स्कूल हर वर्ग के लिए सुलभ नहीं। ग्रामीण इलाकों में तो कई बार सरकारी स्कूल ही शिक्षा का एकमात्र माध्यम हैं। जब यहाँ संसाधन नहीं, शिक्षक नहीं और सुविधाएँ नहीं, तो शिक्षा केवल एक दिखावा बनकर रह जाती है।

राज्य सरकार ने कई बार दावा किया है कि शिक्षकों की भर्ती जल्द पूरी की जाएगी, लेकिन जमीनी श्तर पर बदलाव न के बराबर है। शिक्षा विभाग की फाइलें कार्यालयों में घूमती रहती हैं जबकि स्कूलों में बच्चे बिना पढ़ाई के दिन बिताते हैं। शिक्षा के इस संकट को दूर करने के लिए केवल घोषणाएँ काफी नहीं होंगी, बल्कि ठोस कार्ययोजना बनानी होगी।

सबसे पहले तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि हर विद्यालय में विषयवार पर्याप्त संख्या में शिक्षक हों। साथ ही, जो पद लंबे समय से रिक्त हैं, उन्हें अस्थायी नहीं बल्कि स्थायी भर्ती के माध्यम से भरा जाए। गेस्ट टीचर व्यवस्था एक अस्थायी उपाय थी, लेकिन अब यह स्थायी समाधान बन गई है, जो कि शिक्षा की गुणवत्ता के लिए नुकसानदायक है।

दूसरा, शिक्षकों के स्थानांतरण और पदस्थापन में पारदर्शिता लाई जाए। कई बार होता यह है कि कुछ स्कूलों में शिक्षक अधिक होते हैं जबकि कुछ स्कूलों में एक भी नहीं। यह असमान वितरण भी एक बड़ी समस्या है। डिजिटल तकनीक की मदद से इस स्थिति को संतुलित किया जा सकता है।

तीसरा, शिक्षकों के प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। जो शिक्षक सेवा में हैं, उन्हें समय-समय पर नई शिक्षण तकनीकों और पद्धतियों का प्रशिक्षण मिले ताकि वे बच्चों को आधुनिक शिक्षा प्रणाली से जोड़ सकें।

सरकार को यह समझना होगा कि शिक्षा खर्च नहीं बल्कि निवेश है। जब राज्य शिक्षा पर ध्यान देता है, तभी उसका सामाजिक और आर्थिक विकास संभव होता है। यदि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिलेगी, तो आने वाले वर्षों में यह कमी देश की उत्पादकता, नवाचार और सामाजिक सद्भाव पर सीधा असर डालेगी।

हरियाणा ने कई क्षेत्रों में प्रगति की है — उद्योग, खेल, कृषि और प्रशासन में राज्य की पहचान बनी है। लेकिन शिक्षा में यह कमी उस छवि को धूमिल कर रही है। हर बच्चा तभी सक्षम नागरिक बनेगा जब उसे बचपन से उचित मार्गदर्शन और शिक्षा मिलेगी।

स्कूलों में शिक्षकों की कमी केवल एक प्रशासनिक गलती नहीं बल्कि एक नैतिक जिम्मेदारी का उल्लंघन भी है। शिक्षक ही वह कड़ी हैं जो समाज और ज्ञान को जोड़ती है। जिस दिन हम इस कड़ी को कमजोर कर देंगे, उसी दिन समाज में अंधकार फैलने लगेगा। बच्चे जब बिना शिक्षक के स्कूल जाते हैं, तो यह केवल एक शैक्षणिक विफलता नहीं बल्कि राष्ट्र की असफलता भी है।

अब समय आ गया है कि सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे। केवल भवन बनाना, स्मार्ट क्लास लगाना या किताबें बांटना पर्याप्त नहीं है। इन सबका अर्थ तभी है जब हर कक्षा में शिक्षक खड़ा हो, बच्चों की आँखों में सवाल हों और उन सवालों के जवाब देने वाला कोई गुरु मौजूद हो। शिक्षा के प्रति लापरवाही का सबसे बड़ा नुकसान आने वाली पीढ़ी भुगतेगी।

एक शिक्षक की अनुपस्थिति का अर्थ है सैकड़ों बच्चों की क्षमता का अधूरा रह जाना। इसीलिए यह केवल एक विभागीय मसला नहीं, बल्कि समाज का प्रश्न है। यदि हरियाणा को वाश्तव में 'शिक्षा राज्य' बनाना है तो सबसे पहले शिक्षकों की कमी को दूर करना होगा। सरकार को चाहिए कि वह भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी, त्वरित और निष्पक्ष बनाए। साथ ही, शिक्षकों को उनके योगदान के अनुरूप सम्मान और प्रोत्साहन मिले।

हरियाणा के शिक्षा मंत्री से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों तक सभी को इस मुद्दे की गंभीरता को समझना चाहिए। यदि शिक्षा पर निवेश नहीं किया गया, तो भविष्य में यह सबसे बड़ी सामाजिक चुनौती बन जाएगी। स्कूलों में ब्लैकबोर्ड खाली हैं, लेकिन इससे भी ज्यादा खाली हैं बच्चों के सपने, जो शिक्षक के बिना अधूरे हैं। शिक्षक केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि समाज के विचारों, संस्कारों और भविष्य का निर्माणकर्ता है। हरियाणा में शिक्षकों की कमी ने यह साबित कर दिया है कि शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ कमजोर हो चुकी है।

अब जरूरत है कि सरकार और समाज दोनों मिलकर इस दिशा में ठोस कदम उठाएं। हर बच्चे का अधिकार है कि उसे शिक्षित किया जाए, और यह अधिकार तभी पूरा होगा जब हर स्कूल में शिक्षक मौजूद हो।

क्या भारत तालिबान सरकार को मान्यता देगा?

कुमार समीर/लेखक वरिष्ठ पत्रकार है

तालिबान सरकार के विदेश मंत्री भारत दौरे पर हैं। उनके भारत दौरे पर सबसे ज्यादा मिर्ची अगर किसी को लगी है तो वह पाकिस्तान है। भारत अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पड़ोसी देश को ऐसा कर उसे चिढ़ाने में भले ही सफल हो गया हो लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठना शुरू हो गया है कि क्या मान्यता देने जा रहा है भारत तालिबान सरकार को ? चीन ने तो 2021 में अफ़ग़ानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के क़ब्ज़े के बाद से ही संपर्क बढ़ाना शुरू कर दिया था। लेकिन भारत यही काम चार साल बाद कर रहा है।

हालांकि तालिबान के साथ पिछले दो सालों में भारत के संपर्क बढ़े थे लेकिन पहली बार विदेश मंत्री अमीर ख़ान मुत्तक़ी नई दिल्ली आए हैं। मुत्तक़ी, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रतिबंधित आतंकवादियों की लिस्ट में शामिल हैं। भारत दौरे के दौरान मुत्तक़ी की विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ उच्चस्तरीय बैठक हो चुकी है। भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने इसी बैठक में काबुल में भारत के टेक्निकल मिशन को दूतावास में बदलने की घोषणा की।

बताते चलें कि अगशत 2021 में तालिबान के आने के बाद भारत ने काबुल में अपना दूतावास बंद कर दिया था। भारत ने अब तक दुनिया के कई देशों की तरह तालिबान सरकार को औपचारिक मान्यता नहीं दी है। रूस एकमात्र देश है, जिसने तालिबान को मान्यता दी है।जयशंकर ने इस वार्ता को 'क्षेत्रीय स्थिरता और मज़बूती की दिशा में एक क़दम' बताया, वहीं मुत्तक़ी ने भारत को 'क़रीबी मित्र' कहा और भारतीय कंपनियों को अफ़ग़ानिस्तान आने का न्योता दिया। 1990 के दशक में जब तालिबान पहली बार अफ़ग़ानिस्तान की सत्ता में आया, तब भारत ने उसके शासन को मान्यता नहीं दी थी। लेकिन 2021 में तालिबान के दोबारा सत्ता में आने और अफ़ग़ानिस्तान की स्थिति पूरी तरह बदलने के बाद, भारत ने व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाते हुए सीमित संपर्क शुरू किया। आज भारत और तालिबान के बीच कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहां दोनों के हित एक-दूसरे से मिलते हैं।

भारत-अफ़ग़ानिस्तान अपने साझा बयान में यह साफ़ कर चुके हैं कि दोनों का ज़ोर आतंकवाद के विरोध पर है।

तालिबान इस्लामिक स्टेट ख़ुरासान (आईएसआईएस-के) को न केवल अफ़ग़ानिस्तान बल्कि पूरे इलाके की शांति के लिए ख़तरा बताता है। भारत भी आंतकवाद के ख़िलाफ़ अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय मंचों से आवाज़ उठाता रहा है।

भारत यह सुनिश्चित करना चाहता है कि अफ़ग़ानिस्तान की ज़मीन का इस्तेमाल भारत-विरोधी गतिविधियों के लिए न हो। वहीं तालिबान भी अपनी सत्ता को स्थिर करने के लिए आईएसआईएस-के जैसे संगठनों को कमज़ोर करना चाहता है।

जेएनयू के स्कूल ऑफ़ इंटरनेशनल स्टडीज़ की पूर्व डीन और रिटायर्ड प्रोफ़ेसर अनुराधा चिनॉय की नजर में वह मुत्तक़ी की यात्रा को भारत-अफ़ग़ानिस्तान संबंधों के भविष्य के लिए एक सकारात्मक पहल से जोड़कर देख रही हैं। अनुराधा चिनॉय के मुताबिक लगता है कि अमीर ख़ान मुत्तक़ी को बुलाकर भारतीय विदेश मंत्रालय ने अच्छा क़दम उठाया है। तालिबान से अगर बातचीत नहीं की तो इस इलाक़े (दक्षिण एशिया) में अस्थिरता बढ़ सकती है क्योंकि ट्रंप बार-बार बगराम एयरबेस को वापस लेने की धमकी दे रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अफ़ग़ानिस्तान ने भी भारत का समर्थन किया था। इसलिए बातचीत में दोनों के साझा हित शामिल हैं। हालांकि अफ़ग़ानिस्तान के कई लोग भारत और तालिबान की बढ़ती क़रीबी से बहुत ख़ुश नहीं हैं। अफ़ग़ानिस्तान के पत्रकार हबीब ख़ान ने एक्स पर लिखा है, ''एक अफ़ग़ान होने के नाते मैं भारत की प्रशंसा करता हूँ क्योंकि भारत ने यहाँ कई काम किए हैं। सलमा बांध, संसद और रोड भारत ने बनवाए हैं लेकिन भारत तालिबान के साथ जिस तरह से चीज़ें सामान्य कर रहा है, उसे देखते हुए ठगा हुआ महसूस कर रहा हूँ। तालिबान एक अवैध शासन है, जिसने हमारे देश पर क़ब्ज़ा कर लिया है. इसे रोकना चाहिए।

हबीब ख़ान ने एक और पोस्ट में लिखा है, ''भारतीय पाकिस्तान से नफ़रत करते हैं लेकिन अफ़ग़ान कहीं ज़्यादा नफ़रत करते हैं। लेकिन तालिबान को आमंत्रित करना, जो पाकिस्तान के प्रॉक्सी रहे हैं, जिन्होंने आत्मघाती हमलों के ज़रिए सत्ता पर क़ब्ज़ा किया और महिलाओं की शिक्षा पर प्रतिबंध लगा दिया है. तालिबान को भारत के दोस्त के रूप में सोचना भ्रम पैदा करता है। यह भारत को इतिहास के ग़लत मोड पर लाता है।

2021 में अफ़ग़ानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के क़ब्ज़े के बाद वहाँ के विदेश मंत्री का यह पहला भारत दौरा है।

अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान के शासन को चार साल से ज़्यादा का समय हो गया है लेकिन वैश्विक स्तर पर अस्थिरता के कारण उसके सामने आर्थिक चुनौतियां बरकरार हैं। भारत ने 2021 से पहले लगभग 3 अरब डॉलर की सहायता से अफ़ग़ानिस्तान में बांध, सड़कें, अस्पताल और संसद भवन जैसी परियोजनाएं ज़मीन पर उतारी थीं. तालिबान को इन परियोजनाओं को बनाए रखने और अधिक आर्थिक मदद की ज़रूरत है। भारत के पूर्व राजदूत अनिल त्रिगुणायत का भी मानना है कि भारत-अफ़ग़ानिस्तान के 'गहरे सांस्कृतिक संबंध' सत्ता परिवर्तन से बहुत अधिक प्रभावित नहीं होते हैं।

एक निजी चैनल (एनडीटीवी) से बातचीत में उन्होंने कहा कि भारत के लिए सबसे ज़रूरी बात यह है कि अफ़ग़ानिस्तान भारत का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से बहुत क़रीबी साथी रहा है। यहां तक कि तालिबान के लोग भी भारत के प्रति सम्मान रखते हैं. सरकारें भले बदलती रही हों, लेकिन आम लोगों के बीच भारत-अफ़ग़ानिस्तान का जुड़ाव हमेशा मज़बूत रहा है और यही भारत की असली ताक़त है।

त्रिगुणायत का कहना है, 'भारत की मुख्य चिंता तालिबान नहीं था बल्कि पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी समूह थे जो भारत के ख़िलाफ़ काम कर रहे थे। तालिबान सरकार ने भारत को यह स्पष्ट भरोसा दिया है कि उनके यहां से भारत विरोधी कोई गतिविधि नहीं होने दी जाएगी। पहले ऐसा नहीं था लेकिन अब उनका रुख़ बिल्कुल साफ़ है। उन्होंने पुलवामा हमले की भी निंदा की थी और भारत के साथ मिलकर आतंकवाद के ख़िलाफ़ काम करने की इच्छा जताई है।

कूटनीतिक दृष्टि से भी देखा जाए तो जिस तरह चीन, अफ़ग़ानिस्तान में पैर पसार रहा है वह भारत की सेहत के लिए भी अच्छा नहीं है। भारत नहीं चाहता कि अफ़ग़ानिस्तान पूरी तरह चीन या पाकिस्तान के प्रभाव में आ जाए। वहीं तालिबान भी नहीं चाहता कि एक ही देश पर उसकी निर्भरता बढ़े, इसलिए वह भारत जैसे वैकल्पिक सहयोगी की तलाश में है। सामरिक मामलों के विशेषज्ञ ब्रह्मा चेलानी ने तो साफ साफ कहा है कि यह यात्रा 'पाकिस्तान के लिए एक झटका' है और यह तालिबान शासन को अप्रत्यक्ष रूप से मान्यता देने की दिशा में एक अहम कदम है। अपने X पर उन्होंने लिखा है कि यह भारत और तालिबान के संबंधों में एक नए दौर की शुरुआत है, जहां दोनों पक्ष अपने-अपने रणनीतिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए व्यावहारिक सहयोग पर ज़ोर दे रहे हैं। चेलानी के मुताबिक़, यह यात्रा अफ़ग़ानिस्तान की क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में संभावित बदलाव का भी संकेत देती है। यह यात्रा उस समय हो रही है, जब भारत-पाकिस्तान और पाकिस्तान-तालिबान सरकार के बीच संबंध लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के हर्ष वी. पंत एक कार्यक्रम 'दिनभर- पूरा दिन पूरी ख़बर' में अपनी बात रखते हुए कहते हैं कि पाकिस्तान के साथ संबंधों में गिरावट तालिबान को यह मौक़ा देती है कि वे अपने विकल्प खुले रखें और यह दिखाए कि अब उनका अस्तित्व पाकिस्तान पर निर्भर नहीं है। अफ़ग़ानिस्तान ख़ुद को पाकिस्तान पर अत्यधिक निर्भरता से अलग एक स्वतंत्र पहचान के रूप में स्थापित कर रहा है।

तालिबान को पहले पाकिस्तान का 'रणनीतिक सहयोगी' माना जाता था, लेकिन हाल के वर्षों में दोनों के रिश्तों में तनाव बढ़ा है। पाकिस्तान ने अफ़ग़ानिस्तान में हवाई हमले भी किए हैं, जिन पर तालिबान ने कड़ा विरोध जताया है। दक्षिण एशिया की गतिविधियों पर नज़र रखने वाले विश्लेषक माइकल कुगलमैन मुत्तक़ी की इस भारत यात्रा को भारत के लिए एक मौक़े की तरह देख रहे हैं। माइकल कुगलमैन ने एक्स पर लिखा है कि भारत और तालिबान के रिश्तों में जो सरगर्मी दिख रही है, वह भारत की विदेश नीति के व्यावहारिक और लचीले रवैये को दर्शाती है। इससे भारत को अफ़ग़ानिस्तान में अपने हितों को बेहतर तरीके से आगे बढ़ाने और व्यक्त करने का मौक़ा मिलता है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

सचेंडी ने दो फैक्टरी कर्मियों ने फंदा लगाकर दी जान, जांच में जुटी पुलिस

कानपुर , एजेंसी। सचेंडी थानाक्षेत्र के दलीपपुर गांव में फैक्टरी कर्मी श्रीकांत बाजपेई (45) ने घर पर और इटारा गांव में फैक्टरी कर्मी श्याम कुमार (42) ने घर से पांच सौ मीटर दूर बाग में फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर छानबीन कर साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। दोनों घटनाएं रविवार रात की बताई जा रही हैं। प्रथम दृष्टया परिजन घटना के पीछे के कारण नहीं बता सके हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ड्रोन कैमरे में कैद हुआ लंगड़ा भेड़िया

बहराइच, एजेंसी। सरयू नदी के कछार में बसे मझांरा तौकली और गोड़हिया गांव में भेड़िये का खौफ थम नहीं रहा है। इस बीच रविवार को वन विभाग की टीम को ड्रोन कैमरे में एक लंगड़ा भेड़िया दिखा, जिसे लेकर अब विभाग ने घेराबंदी तेज कर दी है। अधिकारियों को आशंका है कि दो से तीन की संख्या में भेड़िये हो सकते हैं। डीएफओ राम सिंह यादव ने बताया कि यह वही भेड़िया है, जिसे कुछ दिन पहले शूटरों ने पुनिया गांव के पास गोली मारी थी। गोली पैर में लगने के कारण वह अब लंगड़ा कर चल रहा है। विभाग को आशंका है कि क्षेत्र में दो से तीन भेड़िये सक्रिय हो सकते हैं। बताया गया कि ड्रोन कैमरे में कैद हुआ लंगड़ा भेड़िया पहले से भी अधिक खुंखार बताया जा रहा है। अब तक भेड़िये के हमलों में छह लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 30 से अधिक ग्रामीण घायल हैं। वन विभाग की टीम लगातार इलाके में गश्त कर रही है और ड्रोन की मदद से भेड़िये की लोकेशन ट्रैक की जा रही है। डीएफओ के अनुसार, वन विभाग की कई टीमें और शूटर मौके पर तैनात हैं। लंगड़े भेड़िये को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

दो करोड़ की लूट: अब हेड कांस्टेबल बर्खास्त, सिपाही की भी छिन चुकी है नौकरी, मास्टरमाइंड का हुआ था एनकाउंटर

आगरा, एजेंसी। आगरा में जीआरपी में तैनात मुख्य आरक्षी अंकुर प्रताप सिंह को एसपी जीआरपी ने बर्खास्त कर दिया है। वह फिरोजाबाद में हुई 2 करोड़ रुपए की लूट में शामिल था और इस मामले में फिरोजाबाद की जेल में बंद है। फिरोजाबाद जिले में 30 सितंबर की सुबह 5 बजे गुजरात की जीके कंपनी की 2 करोड़ की नकदी कानपुर से आगरा भेजी जा रही थी, जिसे बदमाशों ने मक्खनपुर हाईवे पर लूट लिया था। लूट के सरगना नरेश पंडित के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई, जिसमें उसकी मौत हो गई थी। वहीं, इस मामले में आगरा जीआरपी में तैनात हेड कांस्टेबल अंकुर प्रताप सिंह की भूमिका भी सामने आई। इसके बाद हेड कांस्टेबल को फिरोजाबाद पुलिस ने 5 लाख रुपए के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। एसपी जीआरपी अनिल कुमार झा ने बताया कि हेड कांस्टेबल अंकुर प्रताप सिंह की जांच सीओ को सौंपी गई थी। जांच की रिपोर्ट आने के बाद उसे बर्खास्त कर दिया गया है। इसी वारदात में शामिल आरोपी सिपाही मनोज को भी जेल भेजा गया था। पुलिस ने उसके पास से 5 लाख रुपये बरामद किए थे। इसकी रिपोर्ट शासन को भेजी गई थी। इसके बाद सिपाही मनोज को भी बर्खास्त कर दिया गया था।

खाना बनाते समय लगी आग से मां और दो बच्चे झुलसे, बचाने में पति-भतीजा भी झुलसे

कानपुर, एजेंसी। सेन पश्चिम पारा थानाक्षेत्र के पिपरगवां गांव में रविवार देर शाम खाना बनाते समय अचानक आग लगने से एक ही परिवार के पांच लोग झुलस गए। हादसे में माँ और दो बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए, जबकि उन्हें बचाने में पति और भतीजा भी घायल हो गए। सभी को ग्रामीणों की मदद से उर्सला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां तीन की हालत नाजुक बनी हुई है। पिपरगवां निवासी लकड़ी ठेकेदार यूसुफ की पत्नी अफसाना रविवार रात गैस चूल्हे पर खाना बना रही थी। उसी समय पास में 12 साल का बेटा मैकशा और आठ वर्षीय बेटी मैनाज भी बैठे हुए थे। अचानक गैस चूल्हे की लौ तेज हुई और अफसाना के कपड़ों में आग लग गई। पास में लकड़ी काटने की इलेक्ट्रॉनिक मशीन में डालने के लिए पेट्रोल से भरा डिब्बा रखा था, जिसमें आग लगते ही लपटें भड़क उठीं और देखते ही देखते रसोई से कमरे तक आग फैल गई। आग की चपेट में आने से अफसाना और दोनों बच्चे झुलसकर गिर पड़े। चीख-पुकार सुनकर भतीजा बल्लू और पति यूसुफ मौके पर पहुंचे और रजाई-कंबल डालकर आग बुझाने की कोशिश करने लगे, लेकिन दोनों भी लपटों की चपेट में आ गए। शोरगुल सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और बाल्टियों में पानी भरकर आग पर काबू पाया। ग्रामीणों ने सभी घायलों को नौबस्ता स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें हैलट और बाद में उर्सला रेफर कर दिया गया। उर्सला अस्पताल में अफसाना, दोनों बच्चे और भतीजा बल्लू की हालत गंभीर बताई जा रही है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में घटना के बाद अफरातफरी का माहौल रहा। थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि घायलों की स्थिति और मामले की जानकारी के लिए चौकी इंचार्ज को उर्सला अस्पताल भेजा गया है।

निजीकरण प्रस्ताव के खिलाफ बिजलीकर्मियों का आर-पार की लड़ाई का एलान, दिवाली पर होगा बिजली संकट?

लखनऊ , एजेंसी। राज्य विद्युत परिषद अभियंता संघ ने लखनऊ में रविवार को मंथन शिविर का आयोजन किया। इसमें संकल्प लिया गया कि निजीकरण प्रस्ताव किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके खारिज होने तक लड़ाई जारी रहेगी। साथ ही दीपावली पर उपभोक्ताओं को भरपूर बिजली मुहैया कराने का संकल्प लिया गया। इसके लिए 16 अक्तूबर को सभी जिलों में संघ की आमसभा का निर्णय लिया गया।

शिविर में अभियंताओं ने अब तक चले आंदोलन पर चर्चा की और पॉवर कॉर्पोरेशन की कार्यप्रणाली की निंदा की। कहा, कॉर्पोरेशन प्रबंधन उपभोक्ताओं के हितों की अनदेखी कर रहा है। कभी स्मार्ट मीटर तो कभी निजीकरण के नाम पर शोषण किया जा रहा है। इसका भी हर स्तर पर विरोध होगा। निजीकरण के विरोध में आंदोलन और तेज करने का निर्णय लिया गया। ऑल इंडिया पॉवर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेंद्र दुबे ने पॉवर कॉर्पोरेशन की ओर से पूर्वांचल व दक्षिणांचल निगमों के निजीकरण के बाद कर्मचारियों दिए जा रहे तीनों विकल्पों पर चर्चा की। इसके बाद सर्वसम्मति से तीनों विकल्पों को खारिज कर दिया गया। संघ के महासचिव जितेंद्र सिंह गुर्जर, आलोक श्रीवास्तव, जगदीश पटेल आदि ने लखनऊ की व्यवस्था फ्रेंचाइजी के जरिये चलाने की निंदा की।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर थोपना असंवैधानिक, हर स्तर पर विरोध का एलान : प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर विरोध के सुर तेज होते जा रहे हैं। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद सहित अन्य संगठनों ने इसका हर स्तर पर

विरोध करने का ऐलान किया है। क्योंकि विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47(5) में उपभोक्ताओं को दिए गए प्रीपेड और पोस्टपेड के विकल्प चुनने के अधिकार में किसी तरह के बदलाव का प्रस्ताव नहीं दिया गया है। इसके बाद भी बिजली कंपनियां संशोधन विधेयक का हवाला देकर उपभोक्ताओं के अधिकार का हनन कर रही हैं।

प्रदेश में अब तक लगभग 43.44 लाख स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए गए हैं। करीब 20.69 लाख उपभोक्ताओं के मीटर को बिना उनकी अनुमति लिए ही प्रीपेड में बदल दिया गया है। विभिन्न निगमों की ओर से उपभोक्ताओं को यह दलील दी जा रही है कि संशोधित विधेयक में प्रीपेड स्मार्ट मीटर अनिवार्य करने का प्रस्ताव दिया गया है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा का कहना है कि विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47(5) में उपभोक्ताओं को प्रीपेड या पोस्टपेड मीटर का विकल्प चुनने का अधिकार है।

दो दिन पहले जारी संशोधन विधेयक 2025 के प्रस्ताव में इस अधिकार में बदलाव का कोई प्रस्ताव नहीं दिया गया है। ऐसे में बिजली कंपनियां उपभोक्ताओं को गलत जानकारी देकर बरगला रही हैं। इसका हर स्तर पर विरोध किया जाएगा। जब ऊर्जा मंत्रालय विधेयक में ही स्मार्ट प्रीपेड मीटर को अनिवार्य नहीं कर रहा है तो बिजली कंपनियों को मनमानी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जबरन स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने का मामला अधिनियम 2003 की भावना और उपभोक्ताओं के अधिकारों का उल्लंघन है। इसका हर स्तर पर विरोध जारी रहेगा। उन्होंने विद्युत नियामक आयोग से मांग की कि वह उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करे। चेक मीटर घोटाले की भी जांच कराएं।

पाउडर से तैयार 39 हजार रुपये का पनीर कराया नष्ट

उन्नाव, एजेंसी। सदर तहसील क्षेत्र के परियर स्थित डेयरी में मिल्क पाउडर से बने 39200 रुपये कीमत के पनीर को नष्ट कराया गया। साथ ही 47950 कीमत का मिल्क पाउडर जब्त कर लिया गया। डेयरी संचालक पर एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं।

सहायक खाद्य आयुक्त प्रियंका सिंह के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने शिकायत के आधार पर ग्राम परियर में महेश कुमार डेयरी का निरीक्षण किया। यहां संदेह के आधार पर भैंस का दूध, पनीर, स्किम्ड मिल्क पाउडर, सफेद घोल (पनीर बनाने में प्रयोग) के सैंपल भरे गए।

साथ ही दो क्विंटल भैंस का दूध, 80 किग्रा पनीर, सौ लीटर सफेद घोल (पनीर बनाने के लिए प्रयुक्त) को गड्ढा खोदकर नष्ट कराया गया। इसकी कीमत लगभग 39200 रुपये थी। इसके अलावा 47950 रुपये का 137 किग्रा स्किम्ड मिल्क पाउडर (महान बंगाल टाइगर ब्रांड) जब्त किया गया। सहायक खाद्य आयुक्त ने बताया कि स्किम्ड मिल्क पाउडर से पनीर बनाया जा रहा था। नोटिस देकर कारखाना बंद करा दिया गया है। रिपोर्ट दर्ज कराई जा रही है। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शैलेश दीक्षित खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनिल कुमार कटियार, आशीष कुमार वर्मा आदि शामिल रहे।

आजम के आवास पर तैनात रहेंगे पांच पुलिसकर्मी जबकि तीन साथ रहेंगे, वाई श्रेणी की सुरक्षा में रहेंगे सपा नेता

लखनऊ , एजेंसी। 23 माह बाद जेल से रिहा होने के सपा नेता आजम खां को पूर्व में दी गई वाई श्रेणी की सुरक्षा को वापस कर दिया गया है। वह आठ पुलिसकर्मियों की निगरानी में चौबीस घंटे रहेंगे।

सपा नेता आजम खां दस बार के विधायक, एक बार के लोकसभा व राज्यसभा के सदस्य होने के साथ ही पांच साल तक प्रदेश के कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। 2012-2017 तक कैबिनेट मंत्री रहे आजम खां की मुश्किलें भाजपा सरकार आने के बाद 2019 से बढ़नी शुरू हुई थीं। उन पर कानूनी शिकंजा कसता चला गया। एक के बाद एक सौ से ज्यादा मुकदमे दर्ज हुए। डूंगरपुर, यतीमखाना बस्ती को खाली कराने के नाम पर लूटपाट, चोरी व डकैती के साथ ही मारपीट समेत अन्य धाराओं में मुकदमे दर्ज हुए। 23 माह पहले उन्हें बेटे के जन्म प्रमाणपत्र के मामले में सजा हुई थी, जिसके बाद बेटे अब्दुल्ला आजम व पत्नी डॉ. तजीन फात्मा के साथ जेल चले गए थे। हालांकि अब सभी जमानत पर हैं। उनको डूंगरपुर केस में भी सजा हो चुकी है।

फिलहाल 23 माह बाद 23 सितंबर को सीतापुर जेल से पहले उन्हें वाई श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई थी जिसे अब वापस कर दिया गया है। पुलिस अफसरों के मुताबिक वाई श्रेणी की सुरक्षा के तहत पांच पुलिस कर्मियों की एक गारद आवास पर तैनात होगी, जबकि तीन सुरक्षा कर्मी सपा नेता के साथ रहेंगे।

खेत में खाट डालकर परिवार ने गुजारी रात...नहीं जला घर का चूल्हा- मकान ढ़हने में बताई इनकी गलती

गोरखपुर , एजेंसी। सरहरी (गोरखपुर)। बालापार-टिकरिया मार्ग पर शनिवार रात नाला खोदाई के दौरान रामगोपाल का मकान गिर गया था। इस वजह से परिवार के लोगों ने खेत में खाट डालकर रात गुजारी। रात से ही घर में चूल्हा तक नहीं जला। उधर, रविवार की दोपहर में पीडब्ल्यूडी की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और मुआवजे का आश्वासन दिया।

रामगोपाल ने बताया कि घर के पीछे की तरफ कुछ हिस्सा बचा है, वह भी हिल रहा है, कब ढह जाएगा कोई भरोसा नहीं है। सोने के लिए जगह नहीं बची। पूरे परिवार ने घर के पीछे खेत में खाट डालकर जैसे-तैसे रात काटी है। रात से ही घर में चूल्हा नहीं जला था। घर गिरते ही पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर और ठेकेदार भाग गए।

परिवार में बहू-बेटे और बच्चों को लेकर कुल 12 लोग हैं। इसमें दोनों बेटे बाहर रहकर कमाते हैं। बड़ी बहू शोभा गुप्ता ने बताया कि घर में रात से ही चूल्हा नहीं जला है। सुबह बच्चों को भूख लगी

तो चिप्स-बिस्कुट खरीदकर दिया गया। रामगोपाल की पोती श्रेया गुप्ता 12वीं क्लास में पढ़ती है।

श्रेया ने बताया कि रात के समय जब घर का आगे का हिस्सा गिरा था, तब वह पढ़ रही थीं। शोर सुनकर पीछे से भागी। बाहर मम्मी-पापा सभी चिल्ला रहे थे। रात से ही हम लोग घर गिरने की वजह से खेत में समय बिता रहे हैं।

15 दिन पहले दूसरे मकान में आई थी दरार: रामगोपाल के पोते रितेश गुप्ता ने बताया कि रात में हमलोग टेंट हाउस से बल्ब और तार लाकर लाइट की व्यवस्था की। घर के पीछे खेत है, डर लग रहा था कि कहीं रात में सांप न आ जाए।

ग्रामीणों ने बताया कि भगवानपुर निवासी पवन गुप्ता के घर में भी अभी 15 दिन पहले इसी पोकलैंड से नाला निर्माण के लिए गड्ढा खोदते समय दरार आ गई थी। इसकी शिकायत पवन गुप्ता ने जेई शैलेश सिंह से की थी। पवन गुप्ता ने बताया कि जेई ने मुआवजा देने की बात कही थी लेकिन अभी तक कोई मुआवजा नहीं मिला।

छह सदस्यीय टीम ने की जांच : रविवार को लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता रंजन सिंह के नेतृत्व में छह सदस्यीय टीम ने मंगलपुर के जगदीशपुर पहुंचकर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भवन स्वामी को हुई क्षति का आकलन कर जल्द क्षतिपूर्ति दिलाने का आश्वासन दिया।

होमगार्ड बनने के नियमों में बदलाव, अब शासकीय और अर्द्धशासकीय सेवा कर्मी नहीं कर सकेंगे आवेदन

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश में होने वाली 44 हजार पदों पर होमगार्ड स्वयंसेवकों की भर्ती में अब सार्वजनिक, शासकीय व अर्द्धशासकीय सेवाओं में नियमित रूप से कार्यरत व्यक्ति आवेदन नहीं कर सकेंगे। पहले ऐसे कर्मी होमगार्ड बनने के लिए पात्र होते थे। होमगार्ड विभाग ने इसमें बदलाव करने का प्रस्ताव शासन को भेजा है। इसे मंजूरी मिलने के बाद सार्वजनिक, शासकीय एवं अर्द्धशासकीय सेवाओं में कार्यरत कर्मी होमगार्ड भर्ती के लिए बनने वाले एनरोलमेंट बोर्ड में आवेदन के लिए पात्र नहीं होंगे।

होमगार्ड भर्ती के लिए एनरोलमेंट की प्रक्रिया भी तय कर दी गई है। इसके आवेदन जिलेवार ऑनलाइन लिए जाएंगे। एनरोलमेंट वास्तविक रिक्तियों के सापेक्ष होगा जिससे लाखों युवाओं को आवेदन करने का

मौका मिलेगा।

होमगार्ड विभाग द्वारा तैयार की नई नियमावली में केंद्रीय स्तर पर एनरोलमेंट बोर्ड के गठन कर आवेदन लेने की व्यवस्था की गई है जिसमें 18 वर्ष से 30 वर्ष की आयु वाले ही आवेदन कर सकेंगे। सिर्फ पात्र व्यक्तियों को ही आयु सीमा में छूट दी जाएगी। यदि रिक्तियों की संख्या 11 हजार से अधिक है तो बोर्ड द्वारा वास्तविक रिक्तियों के सापेक्ष आवेदन लिया जाएगा।

आपराधिक मुकदमा है तो भी नहीं कर सकेंगे आवेदन

आवेदक जिस जिले का निवासी है उसका जिले की रिक्ति के सापेक्ष आवेदन लिया जाएगा। किसी न्यायालय में आपराधिक मुकदमा विचाराधीन होने पर भी वह आवेदन नहीं कर सकेगा। केंद्र सरकार या किसी राज्य सरकार या किसी स्थानीय प्राधिकारी द्वारा अथवा इन दोनों के स्वामित्व एवं नियंत्रणाधीन किसी निगम या निकाय द्वारा बर्खास्त व्यक्ति भी आवेदन नहीं कर सकेगा।

प्रतिष्ठित सेवा की वजह से जुड़ते थे लोग

दरअसल, होमगार्ड संगठन की स्थापना के बाद यह प्रतिष्ठित सेवाओं में शुमार थी। डॉक्टर, प्रोफेसर, वकील, पत्रकार समेत तमाम अन्य सेवाओं में कार्यरत लोग वर्दी पहनकर जनता की सेवा करने के उद्देश्य से अल्पकालिक समय के लिए भर्ती होते थे। पहले होमगार्ड स्वयंसेवकों की भर्ती 50 वर्ष की आयु तक हो जाती थी जिससे इस सुविधा का लाभ तमाम लोग उठाते थे। बाद में इसमें भ्रष्टाचार की शिकायतें आने पर इस पर अंकुश लगाना शुरू कर दिया गया। अब नई नियमावली में इस व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त करने की तैयारी है।

प्रदूषण में इजाफा...बढ़ सकती है सख्ती, एक्यूआई 200 पार होते ही लागू होगा ग्रैप का पहला चरण

आगरा, एजेंसी। आगरा की हवा रविवार को लखनऊ, कानपुर जैसे बड़े महानगरों से ज्यादा प्रदूषित रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सीपीसीबी की ओर से जारी वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बुलेटिन के अनुसार रविवार को शहर का एक्यूआई 160 दर्ज किया गया। वहीं, लखनऊ, कानपुर जैसे महानगरों में एक्यूआई 118 व 135 रहा। प्रदूषण का स्तर नियंत्रित करने के लिए जिला प्रशासन सोमवार को कड़े फैसले ले सकता है।पिछले एक हफ्ते से न्यूनतम तापमान 20 डिग्री के नीचे चल रहा है। इस बीच शहर में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बढ़ना शुरू हो गया है। रविवार को शहर के शाहजहां गार्डन, रोहता और शास्त्रीपुरम में एक्यूआई अधिकतम 200 तक गया। वहीं, सेक्टर 3 बी आवास विकास, संजय प्लेस और

मनोहरपुर में भी एक्यूआई 150 के आसपास दर्ज किया गया। राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने पहले ही शहर में ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) लागू कर दिया है। एक्यूआई 200 पार होते ही ग्रैप का पहला चरण लागू हो जाएगा। इसके तहत सार्वजनिक वाहनों के प्रयोग को बढ़ाने, खुले में कचरा जलाने पर प्रतिबंध, निर्माण स्थलों पर प्रदूषण नियंत्रण के लिए सख्त उपाय, एंटी स्मॉग गन तैनात करने पर फैसला लिया जा सकता है।बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी अमित मिश्रा ने बताया कि सभी विभागों को पहले ही एहतियाती कदम उठाने के लिए कहा जा चुका है।

एनडीए कैडेट अंतरिक्ष की मौत का राज गहराया, अब कोर्ट ऑफ इंक्वायरी पर नजर, परिवार ने लगाए गंभीर आरोप

बहराइच , एजेंसी। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के एयरफोर्स कैडेट अंतरिक्ष कुमार सिंह की मौत का रहस्य गहराता जा रहा है। परिजनों का आरोप है कि अंतरिक्ष की मौत आत्महत्या नहीं, बल्कि सीनियर की ओर से लगातार की जा रही प्रताड़ना का नतीजा है। उनका आरोप है कि पुणे पुलिस ने मराठी भाषा में मनमाना बयान लिखकर जबरन हस्ताक्षर करवा लिए। अब परिवार की नजर कोर्ट ऑफ इंक्वायरी पर है, जिसमें मामले के खुलासे की उम्मीद है।

रविवार को अंतरिक्ष का पार्थिव शरीर गांव पहुंचने पर रिटायर्ड सूबेदार मामा अश्वगज सिंह सेंगर ने कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष बेहद होनहार थे। उन्होंने सिर्फ 17 वर्ष की उम्र में ही एनडीए की परीक्षा पास कर ली थी। पूरे देश से 2300 कैडेट्स में उनका चयन सेकंड लेफ्टिनेंट पद के प्रशिक्षण के लिए हुआ था। यह सफलता उन्होंने पहली ही बार में हासिल की थी।

अश्वगज सिंह के अनुसार अंतरिक्ष को प्रशिक्षण के दौरान एक सीनियर लगातार परेशान करता था। यह बात उन्होंने घरवालों से भी बताई थी। कंपनी कमांडर से इस बाबत शिकायत की गई थी लेकिन कार्रवाई के बजाय सिर्फ आश्वासन मिला। उत्पीड़न रुका नहीं। उन्होंने कहा कि बार-बार पूछने के बावजूद अधिकारियों ने उस सीनियर का नाम हमें नहीं बताया।

उन्होंने बताया कि लगभग 12 दिन पहले अंतरिक्ष की मां सीमा सिंह और परिवार के कुछ सदस्य पुणे गए थे। चार दिन तक होटल में ठहरने के दौरान अंतरिक्ष को दो दिन की

छुट्टी मिली थी। उसी दौरान उन्होंने सीनियर द्वारा परेशान किए जाने की जानकारी दी थी, लेकिन किसी का नाम नहीं बताया था।

मौत से पहले सब सामान्य था : मामा के अनुसार नौ अक्तूबर शाम पांच बजे अंतरिक्ष ने मां को फोन किया और केवल हाल पूछकर एक मिनट में ही कॉल डिस्कनेक्ट कर दिया। अगली सुबह मौत की सूचना मिली। परिवार पुणे पहुंचा तो पता चला कि नौ अक्तूबर की रात वह बिल्कुल सामान्य थे। रात आठ बजे उन्होंने खाना खाया, उसके बाद कैडेट नाइट प्रोग्राम में भाग लिया। वहां गाना गाया और गिटार बजाया। सब कुछ ठीक लग रहा था। परिजनों का कहना है कि रात 10-30 बजे के बाद आखिर ऐसा क्या हुआ कि उन्होंने आत्महत्या कर ली?

पुणे पुलिस ने किया खेल : रिटायर्ड सूबेदार अश्वगज सिंह सेंगर ने बताया कि जब परिवार पुणे पहुंचा, तो अधिकारियों से कई दौर की बातचीत हुई। बार-बार सीनियर का नाम बताने या कम से कम मुलाकात कराने की मांग की गई, लेकिन सेना के अधिकारियों ने नहीं मिलवाया। उन्होंने कहा कि पुणे पुलिस से भी कहा गया था कि अंतरिक्ष को एक सीनियर परेशान करता था, लेकिन पुलिस ने सही बयान दर्ज नहीं किया।

दीपावली पर घर आने वाले थे अंतरिक्ष : चाचा रमन सिंह ने बताया कि अंतरिक्ष दीपावली की छुट्टी में घर आने वाले थे। उनकी ट्रेन 18 अक्तूबर को थी, लेकिन उससे पहले ही यह दुखद समाचार आ गया। छोटा भाई अभिनव सिंह लखनऊ के आर्मी पब्लिक स्कूल में कक्षा सात में पढ़ाई कर रहा है। इन्होंने ने भी दी श्रद्धांजलि- नानपारा विधायक रामनिवास वर्मा, क्षेत्राधिकारी नानपारा प्रद्युम्न सिंह, नायब तहसीलदार, ब्लॉक प्रमुख नवाबगंज जयप्रकाश सिंह, चेयरमैन उमाशंकर वैश्य, जिला पंचायत सदस्य संदीप जायसवाल, जयंकर सिंह ने नम आंखों से होनहार अंतरिक्ष को श्रद्धांजलि अर्पित की।

जोशना चिनप्पा ने जापान ओपन का खिताब जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की चोटी की स्क्वाश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को योकोहामा में जापान ओपन फाइनल में मिस्र की हया अली को चार गेम में हराकर अपना 11वां पीएसए टूर खिताब जीता। विश्व की पूर्व नंबर 10 भारतीय महिला खिलाड़ी ने 15,000 अमेरिकी डॉलर इनामी चैलेंजर प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त मिस्र की खिलाड़ी को 38 मिनट में 11-5, 11-9, 6-11, 11-8 से हराया। इससे पहले विश्व रैंकिंग में 117वें स्थान पर काबिज चिनप्पा ने सेमीफाइनल में मिस्र की चौथी वरीयता प्राप्त राणा इस्माइल को 11-7, 11-1, 11-5 से हराया था। इस बीच मौजूदा पुरुष राष्ट्रीय चैंपियन और दुनिया के 29वें नंबर के खिलाड़ी अभय सिंह रविवार को रेडवुड सिटी (अमेरिका) में चल रहे 130,500 डॉलर इनामी पीएसए गोल्ड इवेंट सिलिकॉन वैली ओपन के राउंड ऑफ 16 के मैच में दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी और पांचवीं वरीयता प्राप्त फ्रांस के विक्टर क्रूइन से 4-11, 2-11, 1-11 से हार गए।

अरशद नदीम के गुरु पर लाइफ टाइम बैन, पाकिस्तान में धांधली का किया था पर्दाफाश

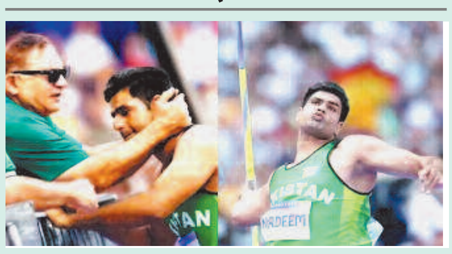

नई दिल्ली, एजेंसी। अरशद नदीम के मेंटॉर सलमान इकबाल के ऊपर पाकिस्तान में बैन लग गया है। आजीवन प्रतिबंध के तहत इकबाल किसी भी एथलेटिक्स गतिविधि में भाग नहीं ले सकते और कोचिंग भी नहीं दे सकते हैं। पाकिस्तान के शीर्ष भाला फेंक एथलीट अरशद नदीम के लंबे समय से कोच सलमान इकबाल पर रविवार को देश के एथलेटिक्स महासंघ ने पंजाब एथलेटिक्स संघ के संविधान का उल्लंघन करने के आरोप में आजीवन प्रतिबंध लगा दिया। वह इस संघ के अध्यक्ष हैं। आजीवन प्रतिबंध के तहत इकबाल किसी भी एथलेटिक्स गतिविधि में भाग नहीं ले सकते और कोचिंग भी नहीं दे सकते हैं और किसी भी स्तर पर कोई पद पर काबिज नहीं हो सकते हैं। पाकिस्तान एमेच्योर एथलेटिक्स महासंघ (पीएएएफ) ने इकबाल पर पंजाब संघ के चुनाव कराकर उल्लंघन करने का आरोप लगाया है जो अगस्त में हुए थे। सितंबर में एक जांच समिति का गठन किया गया था और इसने पाकिस्तान खेल बोर्ड (पीएसबी) को दिए गए उनके जवाब के एक दिन बाद 10 अक्टूबर को इकबाल पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की थी।

आकाश चोपड़ा ने समझाया पूरा समीकरण

विराट कोहली आईपीएल 2026 में आरसीबी का साथ छोड़ देंगे?

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली के आईपीएल करियर को लेकर तमाम अटकलें लगाई जा रही हैं. कोहली आईपीएल के पहले सीजन से ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का हिस्सा रहे हैं. आईपीएल 2026 से पहले चर्चा जोरों पर है की विराट कोहली आरसीबी का साथ छोड़ देंगे. कोहली ने पिछले सीजन में अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था, जिससे 18 साल का इंतजार खत्म हुआ था. हालांकि, यह माना जा रहा है कि 36 वर्षीय खिलाड़ी ने नए सीजन से पहले फ्रेंचाइज़ी के साथ एक वाणिज्यिक अनुबंध को ठुकरा दिया था.

आकाश चोपड़ा ने कहा कि उन्होंने अभी-अभी ट्रॉफी जीती है. फिर वह फ्रेंचाइज़ी क्यों छोड़ेंगे? वह कहीं नहीं जा रहे हैं. कौन सा अनुबंध ठुकराया गया है, यह केवल अटकलों का हिस्सा है. संभव है कि उनके पास दोहरे अनुबंध की व्यवस्था हो. बता दें कि कोहली आईपीएल इतिहास में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. उन्होंने 267 मैचों में हिस्सा लिया है, जिसमें 8,661 रन और 71 बार 50+ स्कोर बनाए हैं. पिछले साल, विराट ने 15 मैचों में 54.75 की शानदार औसत से 657 रन बनाए थे.

क्या आरसीबी का साथ छोड़ेंगे कोहली

कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने आरसीबी प्रशंसकों को आश्वासन दिया कि उनका स्टार खिलाड़ी टीम नहीं छोड़ेगा. विराट ने अपना पूरा करियर आरसीबी के साथ बिताया है और वह इस फ्रेंचाइज़ी के पर्याय बन चुके हैं. पूर्व भारतीय कप्तान ने अक्सर यह इच्छा जताई है कि वह अपना करियर बेंगलुरु आधारित टीम के साथ ही समाप्त करना चाहते हैं. आकाश चोपड़ा ने कहा, उन्होंने कथित तौर पर एक वाणिज्यिक अनुबंध को ठुकराया है, लेकिन इसका क्या मतलब है? वह निश्चित रूप से आरसीबी के लिए खेलेंगे. अगर वह खेल रहे हैं, तो वह निश्चित रूप से इसी फ्रेंचाइज़ी के लिए मैदान में उतरेंगे.

इंडिया वर्सेस वेस्टइंडीज:

भारतीय टीम को जीत के लिए 121 रन का टारगेट, भारत ने 1 विकेट पर 63 रन बनाए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दो मैचों टेस्ट सीरीज का दूसरा एवं आखिरी मुकाबला दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडि?यम में हो रहा है. आज (13 अक्टूबर) इस मुकाबले का चौथा दिन है. वेस्टइंडीज की टीम ने भारत को जीत के लिए 121 रनों का टारगेट दिया है. वेस्टइंडीज ने अपनी दूसरी पारी 390 रन बनाए. भारतीय टीम ने इस मुकाबले में अपनी पहली पारी 518/5 के स्कोर पर घोषित कर दी थी. इसके बाद वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी में 248 रन बनाए. भारत को पहली पारी के आधार पर 270 रनों की लीड मिली और उसने वेस्टइंडीज को फॉलोऑन दिया. टीम इंडिया ने अहमदाबाद में खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट मैच में पारी और 140 रनों से जीत हासिल की थी. यानी शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे है.

14 साल के वैभव सूर्यवंशी बिहार रणजी टीम के उपकप्तान, शुरुआती दो राउंड के लिए टीम का ऐलान, सकीबुल गनी कप्तानी करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी को 15 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन के लिए बिहार टीम का उपकप्तान बनाया गया है। टीम की कप्तानी बल्लेबाज सकीबुल गनी करेंगे। अगले साल की शुरुआत में अंडर-19 वर्ल्ड कप होना है। ऐसे में वैभव का पूरे सीजन खेलना मुश्किल है। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 के पहले दो राउंड के लिए टीम जारी की है। बिहार 15 अक्टूबर को अपने पहले मैच में अरुणाचल प्रदेश से भिड़ेगा। इसके बाद 25 अक्टूबर को उसका सामना मणिपुर से होगा।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में जड़े शतक

14 साल के वैभव ने भारत की अंडर-19 टीम के लिए खेलते हुए इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में शतक जड़े हैं। वैभव ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इंडिया अंडर-19 टीम के लिए खेलते हुए ब्रिस्बेन में पहले यूथ टेस्ट में 78 गेंदों पर शतक लगाया। ऑस्ट्रेलिया में हुई मल्टी-डे सीरीज में वह दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने तीन पारियों में कुल 133 रन बनाए। भारत ने यह सीरीज 2-0 से जीती।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यूथ वनडे में तीन मैचों में 124 रन बनाए। इसमें एक 68 गेंदों में 70 रन की पारी भी शामिल थी। इससे पहले, इंग्लैंड के खिलाफ 5 यूथ वनडे मैचों में उन्होंने 174.02 के स्ट्राइक रेट से 355 रन बनाए थे।

जिद ने दिलाया खिताब, कोको गॉफ ने पेगुला को हराकर जीता वुहान ओपन फाइनल

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने रविवार को अपने हमवतन जेसिका पेगुला को 6-4, 7-5 से हराकर वुहान ओपन 2025 का खिताब अपने नाम किया। 21 वर्षीय गॉफ ने इस टूर्नामेंट में बिना एक भी सेट गंवाए खिताब जीता और ओपन एरा में ऐसी पहली खिलाड़ी बनीं, जिन्होंने अपने शुरुआती 9 हार्ड कोर्ट फाइनल लगातार जीते।

गॉफ ने मैच के बाद बताया कि उनकी ज़िद ने उन्हें जीत दिलाई,मेरे कोच चाहते थे कि मैं यूएस ओपन के बाद आराम करूं, लेकिन मैं जिद्दी हूं और मैंने उन्हें गलत साबित कर दिया! कोको ने कहा कि चीन आकर खेलने का उनका फैसला सही साबित हुआ, यह एशियन स्विंग शानदार रहा। बीजिंग में सेमीफाइनल तक पहुंची और अब यहां खिताब जीतना वाकई खास है। गॉफ और पेगुला कभी डबल्स पार्टनर रह चुकी हैं। इस ऑल-अमेरिकन फाइनल में गॉफ ने कई बार पिछड़ने के बावजूद वापसी की। उन्होंने लगातार 10 अंक जीतकर मुकाबले को अपने नाम किया। पेगुला ने भी गॉफ की तारीफ करते हुए कहा, कोको के साथ फाइनल खेलना शानदार अनुभव रहा। वह जबरदस्त फाइटर हैं। 31 वर्षीय पेगुला ने हाल के हफ्तों में बीजिंग और वुहान दोनों जगह शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि एशियाई टूर की गर्मी और थकान के बावजूद यह उनका सबसे अच्छा फॉर्म रहा है। गॉफ ने अब तक अपने करियर का तीसरा डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीता है और उनकी फॉर्म आने वाले सीज़न के लिए इंगित करती है कि वह अभी लंबी दौड़ में हैं।

बेटी का जन्मदिन मनाने मॉरीशस पहुंचे नवजोत सिद्धू

- **राबिया ने फैमिली संग तस्वीरें शेयर की; समुद्र किनारे रिसॉर्ट बुक, 1 लाख का रूम**

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस के नेता नवजोत सिंह सिद्धू का परिवार मॉरीशस पहुंच गया है। राबिया का जन्मदिन मनाने के लिए नवजोत सिंह सिद्धू अपनी पत्नी व बेटी के साथ वहां पहुंचे हैं। राबिया रविवार को 30 साल की हुई हैं। 30वें जन्मदिन की खुशी मनाने के लिए ही सिद्धू दंपती ने ये ट्रिप ऑर्गेनाइज किया।

नवजोत सिंह सिद्धू दो दिन पहले ही दिल्ली में प्रियंका गांधी से मिले थे। इसके बाद ही वे सीधा परिवार के साथ मॉरीशस के लिए रवाना हो गए। नवजोत सिंह सिद्धू व राबिया सिद्धू ने कुछ तस्वीरों को अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया।

सिद्धू परिवार ने मॉरीशस में कॉन्स्टेंस प्रिंस मॉरिस रिसॉर्ट बुक किया है। जिसके कमरों की कीमत ही तकरीबन 50 हजार (भारतीय करेंसी के अनुसार) से शुरू होती है।

इडिया-वेस्टइंडीज टेस्ट: साल 2025 में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट मोहम्मद सिराज के नाम, बने नंबर 1

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज इस साल मैदान पर धूम मचा रहे हैं और वो अब साल 2025 में टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर भी बन गए। सिराज ने इस मामले में जिम्बाब्वे के गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबनी को पीछे छोड़ दिया। मोहम्मद सिराज ने ये उपलब्धि वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली के अरुण जेटली मैदान पर दूसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी के दौरान हासिल किया। सिराज ने शाई होप को आउट किया और वो इस साल टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर्स की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए।

ब्लेसिंग मुजरबनी से आगे निकले मोहम्मद सिराज: दिल्ली टेस्ट मैच में सिराज ने खबर लिखे जाने तक दोनों पारियों को मिलाकर कुल 3 विकेट लिए थे। इन 3 विकेट की मदद से वो साल 2025 में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले बॉलर बने और इस साल क्रिकेट के लंबे प्रारूप में उनके विकेटों की संख्या अब 37 हो चुकी है। उन्होंने मुजरबनी को पीछे छोड़ा जिन्होंने इस साल अब तक 36 विकेट लिए हैं।

साल 2025 में सिराज ने अब तक खेले 8 टेस्ट मैचों की 15 पारियों में 37 विकेट लिए हैं जिसमें 5 विकेट हॉल 2 बार जबकि 4 विकेट हॉल भी दो बार लेने का कमाल उन्होंने किया है। इस दौरान एक पारी में उनकी बेस्ट गेंदबाजी 70 रन देकर 6 विकेट रहा है। इसके अलावा दूसरे नंबर पर मौजूद मुजरबनी की बात करें तो उन्होंने 9 मैचों में 36 विकेट लिए हैं जिसमें 3 बार 5 विकेट लेने का कमाल भी उन्होंने किया।

सलमान, रिजवान, इमाम, शान के अर्धशतक; साउथ अफ्रीका के खिलाफ पाकिस्तान ने बनाए 378 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने पहली पारी में 378 रन का अच्छा स्कोर बनाया और मेजबान को इस स्कोर तक पहुंचाने में टीम के 4 बल्लेबाजों का अहम योगदान रहा।

सलमान, रिजवान, इमाम और शान के अर्धशतक

पाकिस्तान की तरफ से टीम के विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान ने 140 गेंदों पर 2 छक्के और 2 चौकों के साथ 75 रन की पारी खेली जबकि सातवें नंबर पर बैटिंग करने आए सलमान आगा ने

145 गेंदों पर 3 छक्के और 5 चौकों के साथ शानदार 93 रन बनाए। सलमान अपने शतक से सिर्फ 7 रन से चूक गए, लेकिन उन्होंने आखिरी समय पर टीम के लिए अच्छा योगदान दिया। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टीम के कप्तान शाम मसूद ने भी अच्छी पारी खेली और उन्होंने 76 रन बनाए जबकि इमाम उल हक ने भी 93 रन की पारी खेली।

कमाल की बात ये रही कि पहली पारी में इमाम और सलमान दोनों 93-93 रन पर आउट हुए यानी दोनों नर्वस नाइनटीज का शिकार बन गए।

साउथ अफ्रीका के लिए पहली पारी में सेनुरन मुथुसामी ने गजब की गेंदबाजी का और उन्होंने 6 विकेट चटकाए। बाबर आजम पहली पारी में नहीं चल पाए और उन्होंने टीम के लिए सिर्फ 23 रन का योगदान दिया।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो, लियोनेल मेसी और मोड्रिच की अधूरी कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्राजील के दो बार के विश्व कप विजेता डिफेंडर निल्टन सैंटोस की शक्ल किसी फिल्म स्टार जैसी थी- लंबे, चौड़े कंधे, नुकीली मूंछें और अटूट आत्मविश्वास। उन्होंने फुल-बैक की परंपरागत भूमिका को नया आयाम दिया था, लेकिन वह इसलिए ज्यादा याद किए जाते हैं क्योंकि उन्होंने टीम के कुछ साथियों के साथ कोच विसेंटे फिओला के कमरे में जाकर एक झेंपे हुए से, टेढ़े पैरों वाले विंगर गैरिंचा को टीम में शामिल करने की मांग की थी। नतीजा- गैरिंचा को मौका मिला और कुछ ही हफ्तों बाद ब्राजील ने 1958 में अपना पहला विश्व कप जीत लिया।

चार साल बाद जब ब्राजील ने अपना खिताब बचाया, तब सैंटोस टीम के फिर स्तंभ बने रहे। उस वक्त उनकी उम्र 38 साल के करीब थी। आज भी वह सबसे उम्रदराज आउटफील्ड खिलाड़ी हैं जिन्होंने विश्व कप ट्रॉफी उठाई। अब मौजूदा दौर के तीन दिग्गज- क्रिस्टियानो रोनाल्डो, लियोनेल मेसी और लुका मोड्रिच- इस रिकॉर्ड को तोड़ने की ओर देख सकते हैं। शायद सैंटोस का नाम उनके जेहन में न हो, लेकिन आंकड़ों के दीवाने रोनाल्डो को जरूर पता होगा।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो- अधूरी विरासत का बोझ: रोनाल्डो को नंबरों से लगाव किसी जुनून से कम नहीं। रिपोर्टर की जरा-सी गलती भी वह सुधार देते हैं। सऊदी प्रो लीग में किसी गोल को बारीक ऑफसाइड के कारण रद्द कर दिया जाए तो रेफरी से भिड़ पड़ते हैं। जब आयरलैंड के गोलकीपर ने उनके 950वें गोल को बचा लिया तो उन्होंने गुस्से में जमीन पर पैर मारा था।

रोनाल्डो के नाम विश्व कप छोड़ हर बड़ा रिकॉर्ड: रोनाल्डो के पास हर बड़ा रिकॉर्ड है- सबसे ज्यादा गोल, ट्रॉफी, अवॉर्ड, फॉलोअर्स, लेकिन विश्व कप नहीं। साल 2026 के विश्व कप के वक्त उनकी उम्र 41 साल पार कर चुकी होगी। अगर वह ट्रॉफी जीतते हैं, तो डिनो जॉफ (40 साल की उम्र में विश्व कप विजेता गोलकीपर) को पीछे

छोड़ देंगे। यह अब उनका सपना नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य बन चुका है। उन्होंने कहा, लोग, खासकर मेरा परिवार कहता है, अब काफी है, लेकिन मैं अब भी अच्छा खेल रहा हूं, क्लब और देश के लिए योगदान दे रहा हूं। मैं जानता हूं कि मेरे पास बहुत साल नहीं बचे, लेकिन जो भी बचे हैं, उन्हें पूरी तरह जीना चाहता हूं। कोच रोबर्टो मार्टिनेज ने भी उन पर भरोसा जताया है, वह अब भी टीम में अपनी मेहनत और प्रदर्शन के दम पर हैं। जब तक वह खुद को टीम के लायक समझते हैं, मैं उन्हें हटाने की सोच भी नहीं सकता।

लियोनेल मेसी: सब जीत चुके, लेकिन दोबारा की चाहत दूसरी तरफ क्रिस्टियानो रोनाल्डो के परम प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी हैं। लियोनेल मेसी ने अपने फैंस का दिल तोड़ दिया जब कहा कि वह अब किसी अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली में नहीं खेलेंगे। लियोनेल मेसी ने कहा, 'जब मैं अच्छा महसूस करता हूं, तो मैदान पर रहकर मजा आता है। जब नहीं, तो पीड़ा होती है और मैं खुद से ईमानदार रहना चाहता हूं।' लियोनेल मेसी विश्व कप जीतने का अपना सपना जी चुके हैं, लेकिन दोबारा उसका स्वाद चखने की चाह अब भी बाकी है। पूरी दुनिया, खासकर अमेरिका, चाहेगा कि वह 2026 में उतरें, क्योंकि उनके आने से टूर्नामेंट को अभूतपूर्व चमक मिलेगी। रोनाल्डो और मेसी के बिना, फुटबॉल का यह युग अधूरा लगेगा- जैसे फेडरर-नडाल या मोहम्मद अली-फोरमैन की राइवलरी का कोई सिरा अधूरा रह गया हो।

लुका मोड्रिच: थकान से परे, समय से आगे: क्रोएशिया की बात करें, तो लुका मोड्रिच की मिडफील्ड में इतनी गहराई नहीं जितनी अर्जेंटीना या पुर्तगाल की, लेकिन वह अब भी टीम की आत्मा हैं। यूरो 2024 और रियल मैड्रिड से लुका मोड्रिच की विदाई के बाद उनकी रिटायरमेंट की बातें तेज हुई थीं, लेकिन उन्होंने साफ कहा, 'मेरा लक्ष्य अगला विश्व कप खेलना है, लेकिन पहले हमें क्वालिफाई करना होगा। मैं भविष्य की चिंता नहीं करता, बस वर्तमान में अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता हूं।'

41 साल की उम्र में भी कुल्हाड़ी जैसा तेज लुका का पास

लुका मोड्रिच 41 साल की उम्र में भी एसी मिलान के लिए दमदार प्रदर्शन कर रहे हैं। वह अब भी सबसे ज्यादा बॉल टच करते हैं, सबसे ज्यादा शॉट लगाते हैं और उनके पास की धार आज भी वैसी ही है जैसी चरम पर थी। उनकी 'आउटसाइड-ऑफ-द-बूट' पास आज भी कुल्हाड़ी जैसी तेज है और वह 90 मिनट तक बिना थके खेलते हैं।

क्या फुटबॉल को मिलेगी सबसे खूबसूरत विरासत

कई खिलाड़ी उम्र के इस पड़ाव पर अपने ही करियर का मजाक बन जाते हैं, लेकिन ये तीनों (रोनाल्डो, मेसी और मोड्रिच) अपनी सुनहरी शाम को भी स्वर्णिम बना रहे हैं। साल 2026 का वर्ल्ड कप सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं होगा- यह तीन महान कथाओं का संभावित आखिरी अध्याय हो सकता है।